छह मासिक
दिग्विजय कैम्पस

राजनांदगांव | जुलाई-दिसंबर 2024 | वर्ष-7, अंक 18 | (आंतरिक वितरण हेतु)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य है शिक्षा के भय को समाप्त करना : डॉ. रमन सिंह

कौशल व रोजगार परक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में नव प्रवेशित छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, जिलाधिकारी संजय अग्रवाल, विशिष्ट अतिथिगण, समाज सेवी राजनांदगांव, रमेश पटेल, जिला उपाध्यक्ष, आभा तिवारी, पार्षद मधु वैद, प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव डॉ. अंजना ठाकुर उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह ने स्नातक प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश का सबसे बड़ा महाविद्यालय है और पीढियों का निर्माण करने की जवाबदेही भी दिग्विजय महाविद्यालय की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य है शिक्षा के प्रति छात्रों में भय को समाप्त करना।

इस नीति में अपार संभावनाएं हैं। कौशल व रोजगार परक् गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसा पहली बार हुआ है कि जीडीपी का 6 प्रतिशत शिक्षा के क्षेत्र में व्यय करने का बड़ा निर्णय लिया गया है। साथ ही उन्होंने विधानसभा की कार्यवाही देखने के लिए महाविद्यालय के स्टाफ एवं विद्यार्थियों को आमंत्रित किये।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति समाज में क्रांति लायेंगी, विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करेगी। उनका सर्वांगीण विकास होगा और उन्हें रोजगार प्राप्त करने के लिए सुविधा प्रदान करेंगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति वैश्विक मानकों के अनुरूप है। यह शिक्षा नीति नौकरी चाहने वाला की नहीं बल्कि नौकरी निर्माता बनाने वाली है। इस दीक्षारंभ कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्य व प्रावधानों से छात्र.छात्राओं को अवगत कराने के लिए इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित की गई।

कार्यक्रम में एन. ई. पी. कोऑर्डिनेटर डॉ. हेमंत साव ने विद्यार्थियों को विषयों का चयन परीक्षा प्रणाली एवं प्रमोशन पॉलिसी के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्र.छात्राओं के शंकाओं का समाधान भी किया।

एनएसएस प्रभारी प्रो. संजय सप्तर्षि एवं एनसीसी प्रभारी प्रो. लेखा प्रसाद उर्वशा द्वारा एनसीसी एवं एनएसएस के महत्व एवं उद्देश्य के बारे में छात्र.छात्राओं को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीलू श्रीवास्तव एवं प्रो. वंदना मिश्रा द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ. हेमंत साव ने किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र . छात्राएं, अभिभावक एवं पूरा स्टाफ उपस्थित थे।

जागरूकता कार्यक्रम

मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह के समक्ष महाविद्यालय के एंबेसडर छात्रा सुलोचना सिन्हा एवं एशिका वर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में अपने अनुभव साझा किये। राष्ट्रीय शिक्षा नीति जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें प्रथम स्थान साक्षी वर्मा, द्वितीय स्थान मोहम्मद खान, तृतीय स्थान प्रगति वर्मा एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा शुक्ला, द्वितीय स्थान अनन्या स्वर्णकार एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रिंसी हरिहरनो को मुख्य अतिथि के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान की गई। स्टाफवर्ग से पोस्टर प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार श्रीमती रोहिणी समरिथ को प्रदान किया गया।

दिग्विजय महाविद्यालय में हिंदी सप्ताह का उद्घाटन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 9 सितंबर से 14 सितंबर तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। 9 सितंबर को हिंदी सप्ताह का उद्घाटन संस्था के प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर द्वारा किया गया। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा। इसके लिए मैं हिंदी विभाग को धन्यवाद देती हूं। मैं चाहती हूं कि अधिक से अधिक संख्या में विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में सम्मिलित होवें।

आयोजन से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा

विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने अपने उद्बोधन में बताया कि हिंदी सप्ताह के अंतर्गत हिंदी प्रश्नोत्तरी, श्रुतिलेख, काव्यपाठ, पोस्टर और उद्घोषणा प्रतियोगिताएं 9 सितंबर से 13 सितंबर तक आयोजित की जाएंगी। इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

महाविद्यालयीन स्टाफ के लिए काव्य लेखन प्रतियोगिता भी रखी गई है। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 50 से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीलम तिवारी एवं आभार अभिव्यक्ति डॉ. प्रवीण कुमार साहू ने किया।

खेल दिवस मनाया गया

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा खेल दिवस मनाया गया। प्रारंभ में माँ सरस्वती तथा ध्यानचंद के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ ही कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस आयोजन के मुख्य अतिथि के राजेश्वर राव, एन.आई.एस. कोच बास्केटबाल, कार्यक्रम की अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. दिनेश नामदेव संचालक शारीरिक शिक्षा हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग तथा परेश वर्मा क्रीड़ा अधिकारी शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव थे।

कार्यक्रम प्रारंभ में डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा खेल दिवस की शुरूआत तथा उसके इतिहास की जानकारी प्रदान की गई तथा मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। प्राचार्य डॉ.अंजना ठाकुर ने कहा कि ऐसे महान विभूति की जन्म दिवस को खेल दिवस के रूप में मनाने का हमें अवसर प्राप्त हो रहा है। ये हमारे लिए गौरव की बात है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। परेश वर्मा द्वारा खेल दिवस की शुभकामनाएं प्रदान की गई। दिनेश नामदेव ने कहा कि स्वस्थ मन तथा स्वस्थ तन हमारे जीवन के लिए उपयोगी है। खेलों को हमें अपने जीवन अंग बनाना चाहिए। नियमित व्यायाम तथा सही दिनचर्या से हम स्वस्थ रहते हैं, जो हमारे जीवन के लिए आवश्यक है।

मुख्य अतिथि राजेश्वर राव ने सभी खिलाड़ियों को सरकार द्वारा दी जाने वाली खेल सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा कहा कि खेलों को भी आप अपने जीवन को नौकरी से भी जोड़ सकते हैं। वर्तमान में सरकार द्वारा उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सरकारी नौकरी प्रदान करने की पहल की जा रही है, जो काफी अच्छी बात है। अत: योग एवं खेलों को भी अपने रोजगार का माध्यम बना सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए क्रीड़ा अधिकारी अरूण चौधरी ने आयोजन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा कहा कि हमें अपने जीवन में ध्यानचंद की उपलब्धियों से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर वेटलिफ्टिंग के खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ.एस.के.उके द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, तामेश्वर बंजारे, प्रो.अजय शर्मा, रामूपाटिल सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस का आयोजन

दिग्विजय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस का आयोजन प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ.अंजना ठाकुर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया गया। प्राचार्य द्वारा संयुक्त राष्ट्रसंघ के उद्देश्य एवं वर्तमान में प्रसांगिकता को स्पष्ट किया गया।

विभाग के प्राध्यापक डॉ.अमिता बख्शी द्वारा संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा विश्व मानव अधिकार के संरक्षण को समझाया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन डॉ.राजकुमार बंजारे व दीपक कुमार एवं अभार प्रदर्शन प्रो.संजय सप्तर्षि द्वारा किया गया, जिसमें विभाग के छात्र-छात्राओं की सहभागिता सराहनीय रहा।

डॉ हेमलता मोहबे व डॉ. चंद्रकुमार जैन का इस दुनिया से जाना दिग्विजय महाविद्यालय के लिए बहुत बड़ी क्षति - डॉ. अंजना

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय कॉलेज में शोक श्रद्धांजलि आयोजित

शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज डॉ. हेमलता मोहबे और डॉ. चंद्रकुमार जैन के निधन पर शोक श्रद्धांजलि आयोजित की गई। शोक श्रद्धांजलि में दोनों विभूतियों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया तथा उनके योगदान का भी उल्लेख किया गया।

प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने कहा कि डॉ. मोहबे और डॉ. जैन का इस दुनिया से जाना इस महाविद्यालय के लिए बहुत बड़ी क्षति है। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने अपनी शोक.संवेदना में कहा कि मोहबे मैडम के निधन से इस संस्था ने अपना अभिभावक खो दिया है। वे हम सभी के मार्गदर्शक थीं। वे इस संस्था के गुरुओं के भी गुरु थीं। इसी प्रकार डॉ. चंद्रकुमार जैन की मंचीय आवाज हम सबके कानों में गुंजती रहेगी। वे योग्य प्राध्यापक और कुशल वक्ता थे।

इस शोक श्रद्धांजलि में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, रजिस्ट्रार, जनभागीदारी शिक्षक एवं कार्यालयीन स्टाफ शामिल थे।

जिला स्तरीय पुरूष-महिला बैडमिंटन स्पर्धा का आयोजन

स्वदिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महा. के तत्वाधान में दिग्विजय महा. के बैडमिंटन हॉल में जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें राजनांदगांव, मोहला, कवर्धा, खैरागढ जिले की खिलाड़ी हिस्सा ले रही है। प्रतियोगिता का उद्घाटन के अवसर पर प्रांरभ क्रीडा अधिकारी अरूण चौधरी द्वारा प्रतियागिता के संबंध में तथा नियमों की जानकारी प्रदान की गई। विशिष्ट अतिथि डॉ. शैलेन्द्र सिंह द्वारा खिलाडियों को अच्छे खेल हेतु शुभकामनाएं दी गई तथा कहा कि आप खेल को अपने जीवन का एक अंग बनाइ, वर्तमान में सरकार द्वारा खिलाड़ियों को काफी सुविधाएं प्रदान की जा रही है। अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों ने काफी अच्छा किया है

असम की अच्छे प्रदर्शन कर अपना नाम रौशन करें। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अनिता महिश्वर ने कहा कि - पढाई के साथ-साथ खेल को अनिवार्य है, आप अच्छे खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन करे तथा भविष्य में आप में से कोई श्रीकांत, सिधुं बनकर निकले यही शुभकामना है।

आज खेले गये महिला वर्ग के मैचो में गंडई महा. में बोडला को 2-0 से, डोंगरगढ़ से डोंगरगाांव को 2-1 से कमला देवी महिला महा. ने कवर्धा को 2-0 से तथा दिग्विजय महा. ने विज्ञान महा. को 2-0 से पराजित कर दिया।

पुरूष वर्ग के मैचो में डोगरगढ ने डोंगरगांव को 2-0 से, गडंई ने बोडला को 2-0 से दिग्विजय महा. ने विज्ञान महा. को 2-0 से कवर्धा महा. ने चौकी को 2-0 से पराजित कर दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ कीडा अधिकारी पी.के. हरी, परेस वर्मा, डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर, डॉ. नीता नायक, श्रीमती अनिता, के.एल. माहुले, कुमारी रामेश्वरी, रामू पाटिल सहित विभिन्न महा. के क्रीडा अधिकारी उपस्थित थें।

राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 में कौशल विकास पर जोर

दिग्विजय कैम्पस

छत्तीसगढ़ के समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में सत्र-2024-25 से राष्ट्रीय शिक्षानीति - 2020 लागू कर दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षानीति में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा कौशल विकास, मूल्यपरक तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम को सम्मिलित किया गया है।

शिक्षानीति बहुविषयक प्रणाली पर आधारित होगा जिसमें विद्यार्थी को अपनी इच्छानुसार दूसरे संकाय के विषय चुनने की स्वतंत्रता होगी। विज्ञान संकाय के विद्यार्थी कला या वाणिज्य संकाय के किसी एक विषय को जेनरिक इलेक्टिव के रूप में अध्ययन कर सकेंगे। इसी प्रकार संकाय के विद्यार्थी विज्ञान या वाणिज्य संकाय के विषय का जेनरिक इलेक्टिव रूप में अध्ययन कर सकते हैं। इस नीति में स्नातक तीन या चार वर्षीय बहुविषयक स्नातक पाठ्यक्रम होगा जो कि क्रेडिट सिस्टम आधारित होगा जिसमें पाठ्यक्रम की अवधि में बहुप्रवेश एवं बहुनिकास का प्रावधान होगा। इसके अन्तर्गत प्रथम वर्ष पूर्ण करने के पश्चात् यदि कोई विद्यार्थी किसी कारणवश अपनी पढ़ाई छोड़ देता है तो उसे सर्टिफिकेट, दो वर्ष में पढ़ाई छोड़ने पर डिप्लोमा, तीन वर्ष के पश्चात् पढ़ाई छोड़ने पर डिग्री तथा चार वर्ष पूर्ण करने पर ऑनर्स की डिग्री प्रदान की जाएगी। जिन विद्यार्थियों सीजीपीए 7.5 से अधिक होगा उन्हें ऑनर्स के साथ रिसर्च की डिग्री प्रदान की जाएगी। ऑनर्स रिसर्च की डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी सीधे पीएचडी कोर्स में प्रवेश ले सकता हैं तथ नेट/सेट की परीक्षा में बैठने की पात्रता होगी।

इस शिक्षानीति में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम सतत् मूल्याकंन के आधार पर आधारित होगा, जिसमें 30 प्रतिशत सतत् आंतरिक मूल्याकन एवं 70 प्रतिशत अंक अंतिम सेमेस्टर परीक्षा पर आधारित होंगे। सतत् मूल्याकंन तथा अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में अंको के जोड़ने के पश्चात् 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर विद्यार्थी को परीक्षा उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम पूर्णत: सेमेस्टर परीक्षा पर आधारित होगा। प्रत्येक सेमेस्टर की अवधि 90 दिवस या 15 सप्ताह का होगा इस प्रकार 4 वर्ष की अवधि में कुल 8 सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर पाठ्यक्रम में कुल 6 प्रकार के कोर्स की पढ़ाई होगी, 3 कोर कोर्स, एक जेनरिक इलेक्टिव कोर्स, एक मूल्य वर्धित तथा एक भाषा या पर्यावरण पर आधारित कोर्स होगा। प्रत्येक सेमेस्टर में 20 क्रेडिट के कोर्स होंगे जिसमें 3 कोर कोर्स तथा एक जेनरिक इलेक्टिव में से प्रत्येक 4 क्रेडिट का होगा तथा मूल्यवर्धित कोर्स, कौशल विकास पाठ्यक्रम तथा भाषा आधारित पाठ्यक्रम प्रत्येक 2 क्रेडिट का होगा। प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के पश्चात तृतीय सेमेस्टर में प्रमोशन हेतु कुल 40 क्रेडिट में से कम से कम 50 प्रतिशत क्रेडिट स्कोर प्राप्त करना आवश्यक है। 50 प्रतिशत क्रेडिट स्कोर अर्जित नहीं कर पाने की स्थिति में विद्यार्थी को तृतीय सेमेस्टर में डिस्टेन कर दिया जाएगा अर्थात वह विद्यार्थी तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश नहीं पा सकता। विद्यार्थी को 4 वर्षीय कोर्स को कुल 7 वर्ष की अवधि में पूर्ण करना होगा। दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के नेतृत्व में विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 से 6 जुलाई 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। 05-07-2024 को दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

हिंदी सिर्फ भाषा ही नहीं हिंदुस्तान की संस्कृति है - डॉ. चितरंजन

मुख्य वक्ता डॉ. चितरंजन कर हुए सम्मानित

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के हिंदी विभाग द्वारा 9 सितंबर से 14 सितंबर तक हिंदी सप्ताह आयोजित की गई। जिसका समापन 14 सितंबर, हिंदी दिवस को किया गया।

हिंदी दिवस समारोह के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध भाषाविद एवं बहुभाषी डॉ. चितरंजन कर ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी सिर्फ भाषा ही नहीं हिंदुस्तान की संस्कृति है। हमें इस बात का गर्व होना चाहिए कि इसकी सहजता और वैज्ञानिकता के कारण इसका वैश्विक विस्तार तेजी से हो रहा है।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्य प्रदेश के पूर्व आचार्य डॉ. वीरेंद्र मोहन ने कहा कि हिंदी की उदारता यह है कि वह सर्व समावेशी है। दुनिया की अनेक भाषाओं के शब्द हिंदी में मिलकर उसी के रंग में रंग गई है। प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने बताया की हिंदी विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा है।

हिंदी का इतिहास समृद्धि, वर्तमान सशक्त और भविष्य उत्कर्ष गामी है। विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस समारोह में डॉ. शंकर मुनि राय की व्यंग किताब श्दो मिनट का मौन का विमोचन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. चितरंजन कर को डॉ. बलदेव प्रसाद स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। हिंदी भाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महाविद्यालय स्टाफ के जीडी वैष्णव, दीपक परगनिहा, श्रीमती मंजूषा बाजपेयी, केदारनाथ साहू, मुकेश टेंबुरकर और श्रीमती आरती बोरकर को हिंदी सेवा सम्मान प्रदान किया गया।

हिंदी सप्ताह के अंतर्गत सामान्य ज्ञानप्रश्नोत्तरी, काव्य पाठएश्रुति लेख, पोस्टर प्रतियोगिता, समाचार वाचन एवं उद्घोषणा प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया गया। काव्य लेखन प्रतियोगिता के लिए डॉ. सोनल मिश्रा, बिंदु डनसेना और किरण जैन को पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण कुमार साहू एवं आभार अभिव्यक्ति डॉ. बी. एन. जागृत ने किया। इस कार्यक्रम में सवा सौ से अधिक छात्र.छात्राओं के साथ छत्तीसगढ़ साहित्य परिषद के अध्यक्ष आत्माराम कोशा अमात्य, ओम प्रकाश अंकुर, रोशन साहू, महेंद्र बघेल मधु, फकीर प्रसाद और रौना जैसे अंचल के साहित्यकार उपस्थित थे।

कॉलेज के समाज कार्य विभाग द्वारा पोषण माह दिवस का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के समाज कार्य विभाग के द्वारा पोषण माह दिवस का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम प्राचार्य श्रीमती डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में तथा समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू के निर्देशन में पोषण माह दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मॉडल आंगन बाड़ी केंद्र 2 बजरंगपुर नवागांव में किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य विभाग के छात्र.छात्राओं द्वारा आंगनबाड़ी परिसर में विभिन्न नारे लगाए गए व ग्राम में रैली भी निकाली गई। तत्पश्चात समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू ने अपने उद्बोधन में आंगनबाड़ी में छोटे बच्चों व गर्भवती महिलाओं को संतुलित पोषण आहार के बारे में जानकारी प्रदान की व समाज कार्य के छात्र-छात्राओं द्वारा छोटे बच्चों को चॉकलेट वितरण किया गया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने अपने उद्बोधन में काहा की शासकीय दिग्विजय कॉलेज के प्राध्यापकों व छात्र.छात्राओं द्वारा पोषण माह दिवस पर सराहनी जानकारियां देने के लिए धन्यवाद प्रदान किया उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार का कार्यक्रम होता रहे मैं आशा करती हूं।

स्ववित्तीय व्याख्याता श्रीमती शालिनी सोनी ने आभार व्यक्त करते हुए वहां उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू व स्ववित्ति व्याख्याता श्रीमती शालिनी सोनी व समाज कार्य के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संपादकीय...

ज्ञान ही है जो बुद्धि के बंद द्वार को खोलता है

आधुनिकता के दौर में ऐसा लगता है, जैसे बहुत कुछ खो सा गया है और खोता ही जा रहा है। यह ए आई का जमाना है। मजदूर की मजदूरी, काश्तकार की कास्तकारी, बुनकर की बुनकरी, विद्यार्थियों का ध्यान,चिंतकों का चिंतन,युवाओं की वैचारिकता एवं कल्पना शीलता सब कुछ जैसे थम सा गया है। जोड़ना-घटाना,गुना-भाग,याद करने की शक्ति क्षीण होती जा रही है। याद करिए हमें कितने मोबाइल नंबर रटे हुए होते थे। अब सेव रखते हैं । ऊंगलिया चला कर उसे देख लेते हैं। आपको क्या कैसा करना है? क्या खाना है? क्या काम करना है ?आपकी दिनचर्या क्या होनी चाहिए?आपका क्या इतिहास है? सब नेट जी पी टी बता देगा। यह सब देखकर लगता है ''क्या पढ़ाई और क्या परीक्षा?''यही वह प्रश्न है जिसे गंभीरता से समझने की आवश्यकता है।जो व्यक्ति के साथ ड्साथ देश और समाज के लिए आवश्यक है। मन में प्रश्न इतने हैं कि मुक्तिबोध के शब्दों में ''कभी-कभी ऐसा भी होता है,मन अपने को भूनकर खाता है।'' ज्ञान प्राप्त करना अपनी आत्मा को भूनने जैसा मामला है। ज्ञान ही है जो बुद्धि के बंद द्वार खोलता है परंतु आजकल जो वातावरण है, उसमें मनुष्य की कल्पना शीलता और बुद्धि के खुलने का जो मार्ग है, वह अजीब सा टेढ़ा है। यह अभिमन्यु के चक्रव्यूह सी स्थिति है। जिस चक्र से निकलने के लिए युवाओं में अपनी तर्कशीलता, कल्पनाशीलता के साथ ही सहानुभूति और संवेदना की आवश्यकता है। जिससे मानवता की स्थापना की जा सके।

मैं, मेरा से हम, हमारा तक की सोच विस्तारित हो सके, सोशल मीडिया , सभी उम्र के लोगों पर हावी है। सबसे चिंतनीय स्थिति स्कूल-कॉलेज के बच्चों की है। जिस गति से सबके हाथ में मोबाइल का आना हुआ उस गति से उस पर नियंत्रण की व्यवस्था नहीं की जा सकी। यह एक वैश्विक समस्या बन गई है। विश्व में ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी ,नॉर्वे और चीन जैसे देशों ने अपने-अपने यहां कानून बनाए हैं।जिससे बच्चों को इन प्लेटफार्म से एक उम्र तक दूर रखा जा सके। ऑस्ट्रेलिया ने अपने संसद में 2024 में ऑनलाइन सेफ्टी अमेंडमेंट एक्ट पारित किया है इसके तहत 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के टिकटोक ,इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, फेसबुक आदि के उपयोग पर प्रतिबंध लगेगा इसका उल्लंघन होने पर संबंधित कंपनी पर 3.1 करोड डॉलर (लगभग 275 करोड़) तक का जुर्माना लग सकता है।

भारत में भी इसकी तैयारी की जा रही है। यह अत्यंत आवश्यक है कानून बनने के बाद उस पर गंभीरता से अमल हो। जिससे कि विद्यार्थियों को सीखने-सिखाने का स्वच्छ वातावरण प्राप्त हो सके। जिससे कि भविष्य में ऐसी पीढ़ी तैयार हो सके जो तकनीक के साथ तो रहे पर स्वयं तकनीक का निर्माण भी कर सके। इसके लिए यह आवश्यक है कि वह संकुचित वातावरण से या परोसे या थोपे हुए ज्ञान से बाहर आकर अपनी मेधा का इस्तेमाल करें।

पूर्व प्राचार्य डॉक्टर के.एल. टांडेकर जी के सेवानिवृत्ति पश्चात डॉ अंजना ठाकुर जी प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्यरत रहीं तत्पश्चात डॉक्टर मेजर किरण लता दामले जी ने प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्य किया और 23 जनवरी 2025 को डॉक्टर सुचित्रा गुप्ता जी के रूप में महाविद्यालय को नए प्राचार्य की प्राप्ति हुई। प्राचार्य डॉक्टर गुप्ता मैडम के मार्गदर्शन में यह ''दिग्विजय कैंपस'' का यह प्रथम अंक है। वैसे यह 2014 से त्रैमासिक समाचार पत्र के रूप में प्रकाशित होते रहा है परंतु इस अंक से इसका स्वरूप छमाही हो गया है।

संपादक - डॉ. बी. नंदा जागृत

सेक्टर स्तरीय वॉलीवाल प्रतियोगिता दिग्विजय कॉलेज बनी उपविजेता

दिग्विजय कैम्पस

सेक्टर स्तरीय वालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन शास.पी.जी.महाविद्यालय कवर्धा द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के पहले मैच में दिग्विजय की टीम ने शासकीय महाविद्यालय पिपरिया को 25-20, 25-

19 से पराजित किया। दुसरे मैच में सेमीफाइनल में शासकीय महाविद्यालय अम्बागढ़ चौकी को 25-20, 18-25 तथा तीसरे सेट में 15-10 से पराजित किया। फाइनल मैच शासकीय महाविद्यालय कवर्धा और दिग्विजय का खेला गया, जिसमें कवर्धा ने दिग्विजय महाविद्यालय को शासकीय दिग्विजय 25-19 से पराजित किया।

महाविद्यालय के क्रीडा अधिकारी अरूण चौधरी ने बताया कि महाविद्यालय की टीम के कप्तान चन्द्रेश साहू तथा टीम के अन्य सदस्य यश साहू, योगान्त गोस्वामी, कृष्ण सोनी, वेदप्रकाश सोनी, कुलदीप, विवके तिवारी, करण, अविनाश, डीकेन्द्र थे। टीम की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ.अंजना ठाकुर, डॉ.शैलेन्द्र सिंह, रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा, श्रीमती मंजूषा बाजपेयी, रामूपाटिल सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने बधाई दी।

कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान एवं विभागीय परिषद का उद्घाटन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में प्राचार्य एवं राजनीति विज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अतिथि व्याख्यान एवं विभागीय राजनीति विज्ञान परिषद का उद्घाटन किया गया।

अतिथि व्याख्यान के लिए डॉक्टर अमृतेश शुक्ला सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान विभाग शासकीय इंदिरा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय वैशाली नगर भिलाई रहे जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति संतुलन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि शक्ति संतुलन अंतरराष्ट्रीय राजनीति का एक मूलभूत सिद्धांत है जिसके अंतर्गत शक्ति का संचय केवल एक ही राष्ट्र या कुछ ही राष्ट्रों तक सीमित ना हो जिससे अंतरराष्ट्रीय असंतुलन की स्थिति पैदा हो जाए

इस हेतु शक्ति को संतुलित आवश्यक है। शक्ति संतुलन से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में स्थिरता आती है यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों की प्रकृति के अनुकूल है तथा इससे छोटे राज्यों की स्वतंत्रता सुरक्षित होती है व साम्राज्यवाद पर अंकुश लगता है।

उक्त अवसर पर राजनीति विज्ञान स्नातकोत्तर परिषद का गठन किया गया। परिषद में गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न पदों पर मेधावी छात्रों का मनोनयन किया गया जिसमे उक्त आधार पर एम ए तृतीय स्मेस्टर की कु. कोयना श्रीवास को अध्यक्ष, एम ए प्रथम स्मेस्टर की कु. टिकेश्वरी देवांगन को उपाध्यक्ष, सहसचिव कु. प्रीति साहू, कोषाध्यक्ष अनमोल पाठक, आयोजन प्रभारी में दामिनी देवांगन, पायल साहू, आयुषी पांडे, रोहन जैन, नीतू महालिंगे, प्रचार प्रसार में दिव्य साहू, चांदनी राजपूत, निलिमा, सोनल, शिक्षा मेश्राम. भूमिका नेताम् शामिल है. उक्त अवसर पर संस्था की प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने कहा कि राजनीति विज्ञान परिषद में शामिल सभी सदस्य वर्ष 2024-25 में होने वाली विभागीय गतिविधियों का संचालन करेंगे तथा अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा पूर्वक करेंगे।

इस अवसर पर एम ए प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के सभी छात्रों साहित विभाग के प्राध्यापक डॉ. अमिता बक्शी, डॉ. राजकुमार बंजारे, संजय सप्तर्षि, दीपक कुमार उपस्थित रहें।

परीक्षार्थीयों को उनके प्रवेश पत्र में दिये केन्द्र में ही बैठने की होगी अनुमति

छात्रावास अधीक्षक श्रेणी द भर्ती परीक्षा 2024 का आयोजन व्यापम द्वारा रविवार 15 सितंबर 2024 को की जा रही है। परीक्षा दोपहर 12:00 बजे से 2:15 बजे तक जिले के 108 केन्द्रों में आयोजित है। परीक्षा के समन्वयक डॉ. अंजना ठाकुर, प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय ने बताया की छात्रावास अधीक्षक श्रेणी द भर्ती परीक्षा 2024 में जिले में 30253 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षार्थियो के लिए प्रवेश पत्र के साथ मूल पहचान पत्र के रूप में आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, जैसे किसी एक पहचान पत्र की मूल प्रति लाना अनिवार्य है। इसके बगैर परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाऐगा साथ ही परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर ले की उनका प्रवेश पत्र 2024 का ही हो। किसी भी परीक्षार्थी को उनके निर्धारित केन्द्र में ही बैठने की अनुमति होगी।

महाविद्यालय में मुक्तिबोध जयंती पर व्याख्यान

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में मुक्तिबोध जयंती के अवसर पर विशेष व्याख्यान, पुस्तक विमोचन और सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है. प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने बताया कि इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विनय कुमार पाठक को मुक्तिबोध सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। यह सम्मान इसी साल से शुरू किया गया है।

हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने बताया कि इस आयोजन में क्षेत्रीय अपर संचालक डॉ. राजेश पांडेय मुख्या अतिथि और नागपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित हैं. इस आयोजन में हिंदी विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक श्वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नारी विमर्श का विमोचन भी किया जायेगा।

सोल 3.0 साटवेयर इंसटालेशन एवं अपडेशन कार्यक्रम का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के निर्देशानुसार महाविद्यालय के ग्रंथालय में, आई. क्यू.ए. सी. के सयुक्त तत्वाधान में ग्रन्थालय के लिए सोल 3.0 साफ्टवेयर इंसटालेशन एवं अपडेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसने मुख्य वक्ता शासकीय बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव के ग्रंथपाल गौतम नेताम एवं टेक्निकल अमरीश भार्गव उपस्थित थे।

प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने बताया कि- विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के लिए सॉफ्टवेयर एक अत्याधुनिक एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर है, जिसे कॉलेज और विश्वविद्यालय पुस्तकालयों की आवश्यकताओं के आधार पर केंद्र द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। डॉ. अनिता साहा ने बताया कि - सॉफ्टवेयर निर्देशों, डेटा या प्रोग्राम का समूह है जिसका उपयोग कंप्यूटर को चलाने के लिए किया जाता है और यह कंप्यूटर को विशिष्ट कार्य करने में सक्षम बनाता है। गौतम नेताम मुख्य वक्ता ने सोल 3.0 साफ्टवेयर इंसटालेशन एवं अपडेशन के बारे में विस्तार से बताया। टेक्निकल अमरीश ने 3.0 के विस्तृत जानकारी बताई। प्रोग्राम का संचालन परसराम ग्रंथपाल शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय ने किया। प्रोग्राम में आई क्यू ए सी प्रभारी डॉक्टर अनीता साहा एवं रजिस्टार दीपक कुमार परगनिहा, डॉक्टर पी. बा. टांक, ग्रंथालय के कर्मचारी एवं बि. लिब छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अंर्तमहाविद्यालयीन सेक्टर स्तरीय फुटबाल दिग्विजय महाविद्यालय बना विजेता

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ द्वारा आयोजित अंर्तमहाविद्यालयीन सेक्टर स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का खिताब दिग्विजय महाविद्यालय ने अपने नाम कर लिया। इस प्रतियोगिता में राजनांदगांव, चौकी, मोहला, मानपुर जिला, कवर्धा जिला तथा खैरागढ़ जिले की टीमें हिस्सा ले रही थी।

दिग्विजय महाविद्यालय की टीम ने सेमीफाइनल के मुकाबले में मानपुर महाविद्यालय की टीम को 1-0 से पराजित किया। दिग्विजय महाविद्यालय की ओर से श्रीवर्धन सिंह ने गोल होगा। फाईनल मुकाबले में दिग्विजय की टीम ने डोंगरगांव को 1-0 से पराजित किया, विजयी टीम की ओर से सूर्याश सिंह ने विजयी गोल दागा।

क्रीड़ा अधिकारी अरूण चौधरी ने बताया कि पूरे टूर्नामेंट में महाविद्यालय की टीम ने शानदार खेल का परिचय दिया। दिग्विजय महाविद्यालय की टीम इस प्रकार थी -

सूर्याश सिह (कप्तान), आर्यनखान, श्रीवर्धन, रेहान खान, सन्नी गोडा, परमवीर सिंह, अंश यादव, डाकेश्वर, भावेश साहू, वेदित्यकोर्राम, हिमांशु, प्रवेश, डोमन, शिवम एवं मोहित तथा टीम के कोच ऋषिकेश मेश्राम थे।

टीम की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. श्रीमती अंजना ठाकुर, डॉ.शैलेन्द्र सिंह, रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा, रामू पाटिल सहित महाविद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनांए प्रदान की गई।

दिग्विजय महाविद्यालय में मुक्तिबोध जयंती पर व्याख्यान और सम्मान समारोह आयोजित

मुक्तिबोध ज्ञानात्मक संवेदना के कालजयी रचनाकार हैं - डॉ. पाण्डेय

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित मुक्तिबोध जयंती समारोह में प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. विनय कुमार पाठक को मुक्तिबोध सम्मान 2024 प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. राजेश पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में नागपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज पाण्डेय मुख्य वक्ता और पटना से पधारे साहित्यकार डॉ. ब्रजभूषण मिश्र विशेष अतिथि थे। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने किया।

मुक्तिबोध की 107वीं जयंती समारोह में सर्वप्रथम प्राचार्य सहित हिंदी विभाग के प्राध्यापकों, विद्यार्थियों और अतिथियों ने त्रिवेणी परिसर स्थित त्रिमूर्ति साहित्यकारों को पुष्पांजलि अर्पित की तत्पश्चात बख्शी सभागृह में आयोजित व्याख्यान में मुख्य अतिथि डॉ. राजेश पाण्डेय ने मुक्तिबोध को संवेदनात्मक ज्ञान और ज्ञानात्मक संवेदना का कालजयी रचनाकार बतायते हुए उनके व्यक्तित्व का बखान किया।

मुख्य वक्ता डॉ. मनोज पाण्डेय ने मुक्तिबोध के व्यक्तित्व और कृतित्व पर समीक्षात्मक व्याख्यान दिया। इस क्रम में आपने कहा कि मुक्तिबोध की समीक्षा दृष्टि युगीन परिवेश के साथ चुनौती पैदा करने वाली थी। कामायनी जैसे महाकाव्य की आलोचना करने वाले मुक्तिबोध अपने समय के सबसे बड़े विद्रोही आलोचक साबित हुए। विशेष अतिथि डॉ. ब्रजभूषण मिश्र ने कहा कि मुक्तिबोध की पहचान तारसप्तक के कवि से हुई लेकिन उनकी प्रोढ़ सृजनात्मक यात्रा प्राध्यापक बनने के बाद ही शुरू हुई। उनके जीवन काल में सिर्फ एक पुस्तक प्रकाशित हो पाई थी। आयोजन के प्रारंभ में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने कहा कि मुक्तिबोध को याद करना हमारे लिए अपने पुरुखों को याद करने जैसा है। प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने कहा कि डॉ. पाठक को प्रथम मुक्तिबोध सम्मान से सम्मानित करना हम सभी के लिए गौरव का क्षण है। डॉ. विनय कुमार पाठक ने अपने संबोधन में संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया और मुक्तिबोध के रचनात्मक फलक को संवेदना के साथ चित्रित किया।

इस अवसर पर डॉ. बीएन जागृत और डॉ. प्रवीण कुमार साहू द्वारा संपादित पुस्तक वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नारी विमर्श का विमोचन किया गया और दिग्विजय महाविद्यालय के तीन पदोन्नत प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर, शबनम खान और डीपी कुर्रे का अभिनंदन करते हुए विदाई दी गई।

समारोह में स्थानीय साहित्यकार आत्माराम कोशा, गिरीश ठक्कर, गिरीश बख्शी आदि सहित विभागीय प्राध्यापक डॉ. नीलम तिवारी, डॉ. गायत्री साहू, डॉ. वीरेंद्र कुमार साहू, कौशिक बिशी और बड़ी संख्या में शोधार्थी.विद्यार्थी उपस्थिति थे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण कुमार साहू और आभार प्रदर्शन डॉ. बीएन जागृत ने किया।

महाविद्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जन्म समारोह

महिला सशक्तिकरण के लिए भी कई उल्लेखनीय कार्य किये

दिग्विजय कैम्पस

दिनांक 7/10/2024 को शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय एवं लोकमाता अहिल्याबाई होलकर समिति के संयुक्त तत्वाधान में प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन एवं महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. मीना प्रसाद के संयोजकत्व में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जन्म समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में समाजसेवी एवं चिंतक नारायण नामदेव, महाविद्यालय के जन भागीदारी अध्यक्ष अतुल रायजादा, लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर समिति के अध्यक्ष विष्णु प्रसाद साव, समाजसेवी राधे श्याम शर्मा मंचस्थ थे।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर अंजना ठाकुर ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होलकर सेवाभावी और असाधारण व्यक्तित्व की स्वामिनी थी। उन्होंने धर्म व संस्कृति के संरक्षण के लिए अनेकों कार्य किये। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए भी कई उल्लेखनीय कार्य किये। वह एक कुशल शासिका एवं विकास की सूत्रधार थी। उन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता को निरूपित किया। महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष अतुल रायजादा ने अपने उद्बोधन में कहा किए अहिल्याबाई का जीवन संघर्षों में बीता एमगर वह अपने कर्तव्य पथ से विचलित नहीं हुई। राजमाता का जीवन समस्त महिलाओं के लिए आदर्श एवं प्रेरक है। भारत के विभिन्न राज्यों में राजमाता अहिल्याबाई के नाम से चलाई जा रही अनेक सरकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। मुख्य वक्ता नारायण नामदेव ने अपने विस्तृत उद्बोधन में कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं जो भारत जैसे महान राष्ट्र में जन्म लिया है। भारत एक सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र है। अहिल्याबाई ने महिलाओं की सेना तैयार की। उन्होंने आर्थिक उद्योग, तीर्थ यात्रा एलोक कल्याणएवस्त्र उद्योग इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किये। उन्होंने लगभग 300 मंदिरों का जीर्णोधार किया। वह न्याय की मूर्ति थी। वह एक महान शिव उपासक थी। उनका जीवन आत्म प्रशंसा से मुक्त था। उन्होंने भारतीय परंपराओं का आजीवन निर्वाह किया।

इस अवसर पर नीरज वाजपेयी, दीपक सिन्हा, रविकांत यादव, प्रशांत सोनी, कुमारी शारदा चंद्रा एवं लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर समिति के अन्य सदस्यएराजनांदगांव के गणमान्य नागरिक, महिला प्रकोष्ठ के सभी सदस्य, महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिव्या देशपांडे ने किया। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर समिति की ओर से धन्यवाद ज्ञापन समिति के अध्यक्ष विष्णु प्रसाद साव एवं महाविद्यालय की ओर धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिव्या देशपांडे ने किया।

सेक्टर स्तरीय अंतरमहाविद्यालयीन हॉकी प्रतियोगिता उद्घाटित

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के तत्वाधान में सेक्टर स्तरीय अंर्तमहाविद्यालयीन हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के अंतर्गत आने वाली महाविद्यालय की टीमे भाग ले रही है। अंर्तराष्ट्रीय हाकी स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने सभी खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन हेतु शुभकामानाएं दी तथा कहा कि वर्तमान में विश्व स्तर पर भी भारत हॉकी के क्षेत्र में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

आप भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अपने विश्वविद्यालय राज्य तथा देश का नाम रोशन करे तथा अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान कायम करें। विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ.अजय लांजवार ने खिलाड़ियों को खेल की बारिकी को ओर बताया तथा कहा कि खेल में फ्टिनेस सबसे महत्वपूर्ण चीज होता है। आप जितने अधिक फ्टि होंगे उतना ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

क्रीडा अधिकारी अरूण चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव, रतनचंद सुराना दुर्ग, साईंस कॉलेज दुर्ग, पी.जी.कॉलेज कवर्धा, अशोका कवर्धा, पीजी. कॉलेज बेमेतरा वैशालीनगर के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी प्रो.के.हरी, परेश वर्मा, हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, डॉ.केशव आडिल, विरेन्द्र सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, किशोर धीवर, दुर्गेश, रामूपाटिल उपस्थित थे।

महाविद्यालय में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शहर की सबसे प्रतिष्ठित शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में एनसीसी इकाई के द्वारा पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न नक्सली क्षेत्र बीजापुर, बस्तर, दंतेवाड़ा, मानपुर में शहीद पुलिस कर्मियों जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर दिए थे उन दिवगंत शूरवीरों को कार्यक्रम के माध्यम से श्रद्धांजलि एवं सम्मान अर्पित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्था की प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के द्वारा शहीद पुलिस कर्मी जो कभी इस महाविद्यालय के विद्यार्थी रहे है, जिन्होंने माओवादी से लोहा लेते हुए शहीद हो गए उनकी शहादत के संबंध में संक्षिप्त जानकारी देते हुए हुआ। जिसमें शहीद आरक्षक ठामन सिंह ठाकुर शहीद स्थल बासामुड़ा बस्तर, आरक्षक चंद्रशेखर शहीद स्थल दल्लेपायली बीजापुर, आरक्षक सुभाष कुमार शहीद स्थल

दंतेवाड़ा, आरक्षक प्रकाश वर्मा शहीद स्थल मानपुर, आरक्षक लोकेश कुमार छेदैय्या शहीद स्थल मानपुर, आरक्षक रितेश कुमार झा शहीद स्थल बीजापुर ये सभी शहीद, इस महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र थे। तत्पश्चात महाविद्यालय के नव नियुक्त जनभागीदारी अध्यक्ष अतुल रायजादा ने अपने उद्बोधन में शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा की इन शहीद को सच्ची श्रद्धांजलि तब अर्पित होगा जब ऐसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से नक्सलवाद का पूर्णत: अंत होगा और वर्तमान के विद्यार्थियों को उन्होंने उन वीर शहीदों से उनकी वीरता के गुण सीखने एवं मातृभूमि के लिए कुछ कर गुजरने सीख लेने की प्रेरणा लेंने के लिए कहा।

तत्पश्चात एनसीसी अधिकारी प्रो. लेखा प्रसाद उर्वशा के द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं तत्पश्चात शहीद पुलिसकर्मी के तैलचित्र में प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर, जनभागीदारी अध्यक्ष अतुल रायजादा, एवं समस्त प्राध्यापकों के द्वारा पुष्प माला अर्पित कर एवं एनसीसी कैडेट के द्वारा एनसीसी सैल्यूट के साथ श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अधिकारी लेखा प्रसाद उर्वशा के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा , समस्त प्राध्यापक, कर्मचारीगण एवं एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे।

समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा कौमी एकता दिवस पर निकाली जन जागरूकता रैली

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा कौमी एकता दिवस पर जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

उक्त रैली का आयोजन प्राचार्य डॉ. श्रीमती अंजना ठाकुर के निर्देशन में तथा समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू के मार्गदर्शन में किया गया। कौमी एकता दिवस रैली के आयोजन के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय परिसर से मानव मंदिर चौक तक रैली का आयोजन किया गया। उक्त रैली के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा कौमी एकता दिवस जन जागरूकता हेतु

विभिन्न नारे लगाए गए जिसमे से भाषा वस्त्र जातियां अनेक, एक हृदय है भारत देश, कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक है। स्लोगन के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा आम जनता के मध्य सभी जाति ,धर्म, एकता समान है तथा आपस में सामंजस्य बनाए रखने हेतु संदेश दिया गया ताकि संपूर्ण भारत समाज में एकता वह सौहाद्रता बनी रहे। उक्त कार्यक्रम में समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू स्ववित्तीय प्राध्यापक श्रीमती शालिनी सोनी व सुश्री तारणी साहू एवं समाज कार्य विभाग के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे व कार्यक्रम का सफ्ल आयोजन किया गया।

विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

स्थानीय शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के निर्देशन में 16.10.2024 को श्विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर वाणिज्य विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में डोमेन्द्र ध्रुव, श्खाद्य सुरक्षा विभाग राजनंदगांव उपस्थित रहे। व्याख्यान का शीर्षक ष्फूड एडल्टरेशन एंड सेफ्टीरेगुलेशन था। जिसमें उन्होंने खाद्य की उपलब्धता तथा खाद्य की गुणवत्ता के बारे में जानकारी दी साथ ही खाद्य सामानों में स्थित समस्याएं जैसे. अमानक, मिथ्या छाप, असुरक्षित खाद्य के बारे में जानकारी दी तथा सरकारी योजना में संचालित फोर्टीफाइड राइस वितरण के बारे में भी बताया तथा भिन्न प्रकार के दूध एवं दूध उत्पाद, फल एवं सब्जियों, पेयपदार्थ, चावल की शुद्धता की जांच करने संबंधित तरीकों के बारे में अवगत कराया। इस व्याख्यान में वाणिज्य विभाग के सभी प्राध्यापक तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र दृछात्राएं उपस्थित रहे और खाद्य सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी से लाभान्वित हुए।

राज्य स्तर क्वीज के लिए महाविद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन

दिग्विजय कैम्पस

भारतीय रिजर्व बैंक की 90वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राज्य स्तर क्वीज प्रतियोगिता में दिग्विजय महाविद्यालय के दो विद्यार्थियों पियूष देवांगन बीएससी पंचम सेमेस्टर तथा रोहन लाल पटेल बीएससी पंचम सेमेस्टर का चयन हुआ है।

क्वीज प्रतियोगिता के प्रथम चरण में ऑनलाइन क्वीज का आयोजन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था, जो एक एलिनिमेशन राऊंड था, जिससे राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 90 टीम का चयन द्वितीय चरण हेतु किया गया है।

इन चरण में प्रत्यक्ष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन 05 नवम्बर 2024 को रायपुर में किया गया है। इस सफलता के लिए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.श्रीमती अंजना ठाकुर ने दोनों विद्यार्थियों को सफलता के लिए बधाई दी। इस क्वीज प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी डॉ.शंकरमुनि राय तथा महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा ने विद्यार्थियों को आगामी चरण के लिए शुभकामनाएं दी।

भारतीय राजनीति में दबाव समूह की अहम भूमिका - डॉ. संगीता घई

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के राजनांदगांव के राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के निर्देश एवं मार्गदर्शन में आज 8 नवंबर 2024 को प्रमिला गोकुलदास डागा महिला महाविद्यालय (रायपुर) की प्राचार्य डॉ. संगीता घई विषय विशेषज्ञ के रुप में उपस्थित हुई।

उन्होंने भारतीय राजनीति में दबाव समूह की उपस्थिति एवं उसके प्रभाव पर विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया। उनहोने दबाव समुह के बारे में बताया की इस समुह में हम अपनी मांग डिमांड के लिए कार्य करते है यह समुह अमेरिका में शुरूआत हुई यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में कार्य करते है। भारत जैसे देश में दबाव समुह ज्यादा बनते है।

प्रशासनिक और राजनीतिक में ये प्रभावशाली कार्य करते है। ये व्यापार संघ में योगदान देते है और कृषि व्यवस्था के संचालन के लिए उनके हितो के मांग के लिए कार्य करते है। राजनीतिक दल और दबाव समुह में अंतर है राजनीतिक दल - एक पार्टी से काम करते है। जबकि दबाव समूह एक व्यक्ति एक से ज्यादा समूह में कार्य करते है। ये चार प्रकार के होते है - संस्थागत हित समुह, संगठनात्मक हित समुह, साम्प्रदायिक हित समुह, गैर - संस्थागत हित समुह। कार्यक्रम का संचालन संजय सप्तर्षि द्वारा एवं अतिथि वक्ता का परिचय डॉ. अंजना ठाकुर द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. अमिका बख्शी ने किया इस व्याख्यान में विभाग के प्राध्यापक राजकुमार बंजारे एवं दीपक कुमार के साथ विभाग में एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र - छात्राएं उपस्थित होकर लाभांवित हुए है।

जनजाति समाज स्वाभिमानी और स्वावलबी समाज है - डॉ. राजेश पांडे

जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत पर दिग्विजय महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के शहीद वीर नारायण सिंह ऑडिटोरियम में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनजातीय समाज के ऐतिहासिक विरासत में, अद्भुत शौर्य और संघर्ष देखने को मिलता है। आदिवासी अपने स्वाभिमान और जमीन के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया। आदिवासी समाज अपने अनुष्ठानों और लोकगीतों के माध्यम से हमेशा अपने जड़ों को

मजबूत किया है एवं उनके जीवन मूल्यों और परंपराओं से हमें आज भी प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश पांडे, अपर संचालक क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ जनजाति बाहुल्य प्रांत है। भारतीय इतिहास में आदिवासी समाज का गौरव दर्ज नहीं हो पाया है। जनजाति समाज स्वाभिमानी और स्वावलम्बी समाज है, आदिवासी समाज प्रकृति पूजक है। वे भारत के मूल निवासी हैं।

भारतीय स्वतंत्रता में जनजातीय समाज का गौरवशाली योगदान रहा है। उन्होंने जनजाति समाज की माता शबरी तिलका मांझी, सिद्ध और कानों, भगवान बिरसा मुंडा जैसे जनजातीय वीरों के शौर्य का पुण्य स्मरण किया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने जनजाति समाज के इतिहास संस्कृति, रहन-सहन, कृषि व्यवसाय, आचार -विचार, रहन-सहन,धार्मिक आस्था और पर्व आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि जनजातीय समाज ईश्वरीय शक्ति पर विश्वास करता हैं। आदिवासियों नें जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। श्रोतवक्ता प्रो. हिरेंद्र बहादुर ठाकुर ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न जनजातियों का उल्लेख करते हुए परलकोट विद्रोह के नायक वीर गेंद सिंह के शौर्य और संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह छत्तीसगढ़ की स्वाधीनता आंदोलन के प्रथम वीर शहीद हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. बी एन जागृत नें एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मीना प्रसाद ने किया। छात्र-छात्राओं द्वारा आदिवासी लोक नृत्य की प्रस्तुति नें सबका मन मोह लिया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में पत्रकारिता विभाग, एन.एस.एस, एन.सी.सी. और यूथ रेड क्रॉस के विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

महाविद्यालय की छात्रा कु दीक्षा ताम्रकार का चयन राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय की छात्रा कु दीक्षा ताम्रकार ने रायगढ के ओ पी जिंदल वि.वि. में 22-25 नवंबर तक आयोजित छ ग राज्य स्तरीय 5 वीं योगासन प्रतियोगिता में आर्टिस्टीक योगासन में द्वितीय स्थान तथा टेऊडीशनल योगासन में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धी के आधार पर इनका चयन तुमतुम कर्नाटक में आयोजित राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता के लिए हुआ है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. के एल दामले ने इस उपलब्धी के लिए महाविद्यालय के क्रीडाधीकारी अरूण चौधरी तथा छात्रा कु दीक्षा ताम्रकार को बधाई देते हुए राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

विद्यार्थी सुविधा का ध्यान रखें तथा सकल नामांकन अनुपात बढ़ायें महाविद्यालय - प्रसन्ना

उच्च शिक्षा सचिव प्रसन्ना आर ने दुर्ग संभाग के प्राचार्यों को दिये निर्देश

दिग्विजय कैम्पस

उच्च शिक्षा विभाग के सचिव प्रसन्ना आर ने राजनांदगांव जिला पंचायत के सभागृह में दुर्ग संभाग के प्राचार्यों की बैठक ली। बैठक में दुर्ग संभाग के 86 कॉलेजों के प्राचार्य शामिल रहे। उच्च शिक्षा सचिव आर प्रसन्ना ने जिला पंचायत सभाकक्ष में सुबह करीब साढ़े दस बजे से दोपहर ढाई बजे तक करीब चार घंटे तक मैराथन बैठक ली। उच्च शिक्षा सचिव ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा करते हुए कालेज के प्राचायों से विस्तार से चर्चा की और उनकी समस्याएं, सुझाव भी पूछे। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से कॉलेजों में शिक्षा एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा की।

सर्वप्रथम प्रसन्ना आर ने संभाग के महाविद्यालयों में प्रथम वर्ष में प्रवेश की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिन महाविद्यालयों में कम प्रवेश हुए हैं वहां अगले शिक्षा सत्र में प्रवेश बढाने हेतु प्रयास करने प्राचार्यों को निर्देशित किया। स्वीकृत सीट संख्या के विरूद्ध शत-प्रतिशत नामांकन दर्ज हेतु महाविद्यालयों द्वारा पोषक-विद्यालय संपर्क अभियान चलाने कहा। उन्होंने कहा की वर्तमान में प्रदेश की सकल नामांकन अनुपात क्रमबद्ध 19.6 है, उसे नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार 2035 तक 50 प्रतिशत करना है, जिसके लिए प्रवेश में वृद्धि करना होगा।

प्राचार्यों से उन्होंने विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति, कोर्स करिकुलम पूर्णता की स्थिति तथा सतत् आंतरिक मूल्यांकन की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की एवं इसे समय पर पूर्ण करने हेतु प्राचार्यों को निर्देशित किया। विद्यार्थियों के सुविधा संबंधित विषयों यथा छात्रवृत्ति, प्रसाधन/शौचालय की स्थिति तथा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था तथा आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की। महाविद्यालय के नैक मूल्यांकन की स्थिति, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रोजेक्ट कार्य, स्थानीय उद्योगों से एम.ओ.यू. की समीक्षा करतें हुए उन्होने प्राचार्यों से कहा की सभी महाविद्यालय अनिवार्य रूप से स्थानीय उद्योगों से एम.ओ.यू. करें तथा विद्यार्थियों को इन उद्योंगों का विजिट करायें ,कार्यशाला का आयोजन करें तथा इन उद्योगों मे विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को बढाने के प्रयास करें तथा महाविद्यालयों में शोध कार्य को बढावा दे। प्रसन्ना ने निर्माण से संबंधित मांगों को स्थानीय स्तर पर विभिन्न मदों से पूरा करने कहा है तथा स्टाफ की कमी एवं अन्य प्रकार की मांग एवं समस्याओं का निराकरण शासन स्तर से करने हेतु प्राचार्यों को आश्वस्त किया।

समीक्षा बैठक में उपस्थित उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त जे पी पाठक ने महाविद्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों के स्थापना एवं सेवा संबंधी प्रकरणों पर भी चर्चा की। महाविद्यालयों के रिक्त पदों की संख्या, इसके विरूद्ध अतिथि व्याख्याता नियुक्ति की स्थिति, पुस्तकालय/वाचनालय, प्रयोगशाला, अतिरिक्त कक्ष निर्माण तथा अध्ययन कक्ष की उपलब्धता की जानकारी ली तथा सभी प्राचार्यों से आवश्यकता पर बात की। समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय अपर संचालक ड.ा राजेश पांडेय, संयुक्त संचालक डॉ. जी.ए. धनश्याम, ओएसडी डॉ. डी. के. श्रीवास्तव एवं ओएसडी हिमांशु वर्मा तथा सभी महाविद्यालयों के प्रचार्य उपस्थित थे।

दिग्विजय महाविद्यालय में एनसीसी (आर्मी) रैंक सेरेमनी का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

जिले के प्रतिष्ठित शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव की प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन एवं एनसीसी अधिकारी लेखा प्रसाद उर्वशा के निर्देशन में महाविद्यालय की एनसीसी आर्मी इकाई के द्वारा रैंक सेरेमनी का आयोजन किया गया जिसमें कैडेट्स को एनसीसी संचालित करने हेतु विभिन्न रैंक प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर एवं पूर्व एनसीसी ऑफिसर, मेजर डॉ. किरण लता दामले, संस्था के रजिस्ट्रार दीपक परगानिहा एवं भौतिक शास्त्र विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ. पी. बी. टॉक एवं पूर्व एनसीसी ऑफिसरहीरेंद्र बहादुर ठाकुर उपस्थित थे।

प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कैडेट्स को संबोधित करते हुए बताया की रैंक सेरेमनी में सिर्फ रैंक नहीं दिया जा रहा है बल्कि इसके साथ-साथ जिम्मेदारी भी दिया जा रहा है जिसका पूर्ण ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा पालन करेंगे तब कहीं जाकर इस रैंक सेरेमनी का उद्देश्य पूर्ण हो पाएगा। इस रैंक सेरेमनी में सीनियर अंडर ऑफिसर, जूनियर अंडर ऑफिसर, सीपीएल जैसे विभिन्न रैंक कार्य कुशलता एवं दक्षता को परख कर दिया जा रहा है जिसके निर्वहन से महाविद्यालय की एनसीसी इकाई बटालियन में एक उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर सकता है। तत्पश्चात पूर्व एनसीसी अधिकारी एवं मेजर डॉ. किरण लता दामले ने उद्बोधन में कैडेट्स को अपने एनसीसी में मेजर तक के सफर को एवं एनसीसी में अपने कार्य अनुभव को साझा करते हुए कैडेट्स को मार्गदर्शन देते हुए प्रेरित किया। तत्पश्चात रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा ने अपने एनसीसी के अनुभवों को साझा करते हुए कैडेट्स को अनुशासित एनसीसी का महत्व बताया। तत्पश्चात पूर्व एनसीसी अधिकारी हीरेंद्र बहादुर ठाकुर के द्वारा कैडेट्स को किस तरह एनसीसी में रैंक के कार्यों के विभाजन होता है एवं किस तरह दायित्वों को निभाना है इस संबंध में कैडेट्स को जानकारी दिया गया।

तत्पश्चात प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर, रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा एवं मेजर डॉ. किरण लता दामले के द्वारा कैडेट्स को रैंक प्रदान किया गया, जिसमें सीनियर अंडर ऑफिसररैंक हिमाचल निषाद एवं जूनियर अंडर ऑफिसर रैंक छबी कुमार एवं उत्कर्ष एवं कामिनी वर्मा को दिया गया, साथ ही कैडेट्स टाकेश्वर कुमार जिन्होंने उत्तरकाशी में आयोजित स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग में तृतीय स्थान के साथ ब्रांस मेडल प्राप्त किया एवं कैडेट्स प्रिया वर्मा जिन्होंने एमपी- सीजी डायरेक्टरेट में फायरिंग में द्वितीय स्थान के साथ सिल्वर मेडल प्राप्त किया को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी कैडेट्स टाकेश्वर कुमार एवं होशमी वर्मा के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में एनसीसी की लगभग 160 कैडेट्स उपस्थित थे।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरा हुआ है तीरथगढ़ जलप्रपात

इतिहास विभाग का बस्तर भ्रमण

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग के छात्र-छात्राओं ने राज्य स्तरीय शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत बस्तर का भ्रमण किया। डॉ.शैलेन्द्र सिंह प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, डॉ.अजय शर्मा एवं प्रो. हेमलता साहू, प्रतीक जैन के नेतृत्व में 45 सदस्यी भ्रमण दल ने बस्तर के ऐतिहासिक पर्यटन स्थल एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर जानकारियां प्राप्त की।

भ्रमण के पहले दिन जगदलपुर के राजमहल, दलपत सागर झील तथा जगदलपुर के दंतेश्वरी मंदिर का भ्रमण किया गयां वहां से जगदलपुर से 35 कि.मी.दूर पर स्थित तीरथगढ़ जलप्रपात का मनमोहक नजारा देखा। तीरथगढ़ जलप्रपात चारो ओर से प्राकृतिक सौंदर्य से भरा हुआ है। तीरथगढ़ से भ्रमण दल दंतेवाड़ा पहुंचा, वहा पर प्रसिद्ध दंतेश्वरी मंदिर से दर्शन किए तथा मंदिर से संबंधित ऐतिहासिक एवं धार्मिक जानकारियां प्राप्त की साथ ही मंदिर के पीछे बहने वाली शंखनी एवं डंकनी नदियों को भी देखा। भ्रमण के दुसरे दिन बारसुर में स्थित प्रसिद्ध गणेश मंदिर, मामा-भांजा मंदिर तथा बत्तीसा मंदिर का भ्रमण किया तथा उनसे संबंधित जानकारियां प्राप्त की बारसुर से भ्रमण दल चित्रकुट जलप्रपात पहुंचा, चित्रकुट जलप्रपात छत्तीसगढ़ के सबसे खुबसूरत जलप्रतापों में से एक है इसे भारत का नियाग्रा भी कहा जाता है। छात्र-छात्राओं ने चित्रकुट में नौका विहार का भी आनंद लिया।

वित्तीय जागरूकता विषय में एक दिवसीय कार्यशाला

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ के द्वारा एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का विषय श्वित्तीय जागरूकता रहा। उक्त कार्यशाला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.किरण लता दामले के निर्देशन में तथा मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. प्रीति बाला टॉक के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उक्त कार्यशाला के क्लस्टर मैनेजर अमित सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में टाटा एआईए की ओर से कुलदीपक तथा बिसेन भी उपस्थित रहे। इस कार्यशाला के अंतर्गत महाविद्यालय के कर्मचारियों का अधिकारियों को टाटा एआईए से संबंधित डिजिटल भुगतानए बीमा एनिवेश के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई तथा सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग व्यवहार के संबंध में जानकारी दी गई। ग्राहकों के अधिकारों के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में शंका समाधान एवं समस्याओं के संबंध में चर्चा की गई। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे ।

वाणिज्य परिषद का गठन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा प्राचार्या डॉ. अंजना ठाकुर के संरक्षण व निर्देशन तथा वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के. उके के मार्गदर्शन तथा विभाग के समस्त प्राध्यापकों के सहयोग से 20 सितंबर 2024 को वाणिज्य परिषद का गठन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. रागिनी पराते द्वारा किया गया। एम.कॉम अंतिम की छात्रा प्रियांशिका त्रिपाठी द्वारा प्राचार्य का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। विभागाध्यक्ष द्वारा परिषद के गठन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि विद्यार्थियों को अध्यापन के साथ साथ सर्वमुखी विकास के लिए शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर गतिविधियों में संलग्न रहना चाहिए। इसके पश्चात प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में सभी प्राध्यापको का स्वागत करते हुए परिषद के सभी मनोनीत पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं दी।

दिग्विजय महाविद्यालय में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान

दिग्विजय कैम्पस

सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह (19 से 25 नवंबर 2024) के अंतर्गत आज 26 नवंबर को शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण लता दामले राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई 01 कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संजय सप्तर्षि सर तथा इकाई 02 प्रो. करुणा रावटे मैम के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों द्वारा हिंसा में निराश्रित हुए बच्चों की मदद के लिए डोनेशन एकत्र किया गया जिसमें महाविध्यालय के समस्त प्रोफेसर एवं विद्यार्थियों एवं शहर के आस पास के लोगों ने निराश्रित बच्चों कि उज्ज्वल भविष्य कि कामना करते हुए डोनेशन दिया, जिसमें हमें कुल 5362 रूपये प्राप्त हुए।

डोनेशन से प्राप्त हुए राशि को नेशनल फाऊंडेशन फॉर कम्युनल हार्मनी जो कि गृह मंत्रालय की अंतर्गत ऑटोनॉमस संस्था है जो हिंसा में निराश्रित बच्चों के शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए काम करता है उनके पास भेजा जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्री जीव जंतुओं में होने वाली रासायनिक क्रियाओं के सम्बन्ध में

डॉ. वर्मा की पुस्तक ऑस्ट्रेलिया एल्सेवियर में प्रकाशित

दिग्विजय कैम्पस

मरीन मोलेकुल्स फ्रॉम ऐल्गी एंड सायनोबैक्टेरिया एल्सेवियर, कैम्ब्रिज द्वारा प्रकाशित पुस्तक में प्राकृतिक समुद्री स्त्रोतों से प्राप्त उत्पादों का सामाजिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण तथ्यों को उजागार किया गया है। समुद्री पारिस्थितिक तंत्र में विशाल जैविक विविधता मानव समाज को लाभ पहुंचाने के लिए संभावित जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के साथ, जैव संसाधनों के लिए एक उत्कृष्ट प्राकृतिक भंडार प्रदान करती है। समुद्री अणु, छोटे अणुओं से लेकर मेटाबोलाइट्स और बड़े अणुओं जैसे प्रोटीन, लिपिड और कार्बोहाइड्रेट तक, समुद्री जीवों द्वारा उत्पादित रासायनिक यौगिक हैं जो जीवित जीवों के मूलभूत निर्माण खंड हैं, और इसलिए, उनकी उपस्थिति और उचित सांद्रता शारीरिक संरचना के लिए महत्वपूर्ण हैं। आज कल इस बात के प्रमाण बढ़ गए हैं कि समुद्री संसाधनों का उपयोग भोजन, कॉस्मेटिक और दवा खोज अनुप्रयोगों में किया जा सकता है। दूसरी ओर, जलवायु परिवर्तन समुद्री पर्यावरण में नए जहरीले चयापचयों के प्रसार और विस्तार को बढ़ावा देता है। यह पुस्तक रसायन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में समुद्री जैव अणुओं और उनके औद्योगिक अनुप्रयोगों के संबंध में नए विकास एकत्र करती है। जैसा कि इस पुस्तक के माध्यम से देखा गया है, जैव अणु समुद्री जीवों के मूलभूत निर्माण खंड हैं, और इसलिए, बुनियादी अवधारणाओं और उनके अनुप्रयोगों और उन्हें समृद्ध करने के लिए संबंधित पद्धति का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया जाता है।

यह पुस्तक रसायनज्ञों के लिए लाभकारी है क्योंकि इसमें शैक्षणिक और साथ ही औद्योगिक उद्देश्यों के लिए जैव अणुओं के अलगाव, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोगों को संबोधित किया गया है। इन सभी विषयों को डॉ. पाज़ ओटेरो और डॉ. डीके. वर्मा ने एक पुस्तक में संबोधित किया है, जो बायोमोलेक्यूल्स के बुनियादी सिद्धांतों, संरचना स्पष्टीकरण, स्त्रोतों, महत्वपूर्ण विशेषताओं और औद्योगिक अनुप्रयोगों पर चर्चा करती है। पुस्तक विभिन्न साइनोबैक्टीरिया प्रजातियों के बारे में निष्कर्षण प्रक्रियाओं के अनुकूलन की पेशकश करती है। एल्सेवियर एक प्रकाशक है, जिसका कार्यालय 50 हैम्पशायर सेंट, 5वीं मंजिल, कैम्ब्रिज, एमए 02139, यूएसए. है, ने हाल ही में हमें श्शैवाल और सायनोबैक्टीरिया से समुद्री अणुरू निष्कर्षण, शुद्धिकरण विषय पर एक नई पुस्तिका के प्रकाशन के लिए अधिकृत किया है। प्राकृतिक समुद्री स्त्रोतों से प्राप्त उत्पादों में महत्वपूर्ण सामाजिक रुचि है। समुद्री पारिस्थितिक तंत्र में विशाल जैविक विविधता समाज को लाभ पहुंचाने के लिए संभावित जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के साथ, जैव संसाधनों के लिए एक उत्कृष्ट प्राकृतिक भंडार प्रदान करती है। समुद्री अणु, छोटे अणुओं से लेकर मेटाबोलाइट्स और बड़े अणुओं जैसे प्रोटीन, लिपिड और कार्बोहाइड्रेट तक, समुद्री जीवों द्वारा उत्पादित रासायनिक यौगिक हैं जो जीवित जीवों के मूलभूत निर्माण खंड हैं, और इसलिए, उनकी उपस्थिति और उचित सांद्रता संरचना के लिए महत्वपूर्ण हैं। और समुद्री जीवित कोशिकाओं का उचित कार्य।

आजकल, इस बात के प्रमाण बढ़ गए हैं कि समुद्री संसाधनों का उपयोग भोजन, कॉस्मेटिक और दवा खोज अनुप्रयोगों में किया जा सकता है।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में संविधान दिवस का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. किरण लता दामले के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता बख्शी के मार्गदर्शन में संविधान दिवस का आयोजन किया गया।

उक्त अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया गया।

इस कार्यक्रम में शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण सहायक प्राध्यापकगण कर्मचारी-अधिकारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्राचार्य ने इस दिवस के आयोजन की जानकारी देते हुए कहा कि आज हम संविधान की 75वी वर्षगांठ मना रहे हैं और हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान है यह आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि 75 वर्ष पहले था।

विद्यार्थियों द्वारा नशा उन्मूलन कार्यक्रम का किया आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा नशा उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. श्रीमती अंजना ठाकुर के निर्देशन में व समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू के मार्गदर्शन में किया गया। उक्त कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय परिसर से मानव मंदिर चौक तक रैली निकाली गई एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। रैली में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न नारे एवं स्लोगन बोले गए जन.जन का यह नारा है नशे को दूर भगाना है छोड़ो नशा और शराब ना करो जीवन खराब जब नशे का नाश होगा तब देश का विकास होगा जैसे विभिन्न नारे लगाए गए स्लोगन के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा आम जनता के मध्य नशा उन्मूलन हेतु संदेश दिया गया ताकि संपूर्ण भारत को नशा मुक्त बनाया जा सके।

गुरू गोविन्द सिंह ने माता-पिता, बच्चों व स्वयं को अन्याय के खिलाफ कुर्बान कर दिया

भारतीय इतिहास के सबसे छोटे शहीदों का स्मरण

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग तथा राजनीति शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में बालवीर दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुये प्रो.संजय सप्तर्षि ने बतलाया कि शासन के निर्देशानुसार इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, परन्तु हमारा देश अत्यन्त प्राचीन है और इसके इतिहास के महत्वपूर्ण पन्नों का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी को होना चाहिए।

मुख्य वक्ता डॉ.हरनाम सिंह अलरेजा ने सिख इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि गुरूनानक देव से लेकर गुरूगोविन्द सिंह तक सारे सिख गुरू समाज और कर्तव्यों को लेकर सदैव सजग और प्रतिबद्ध रहे उन्होंने गुरू गोविन्द के चारों बेटों बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह की शहदत का इतिहास बतलाया तथा कहा कि गुरू गोविन्द सिंह ने ना केवल अपने माता पिता वरन अपने चारो बच्चों तथा स्वयं को अन्याय के खिलाफ कुर्बान कर दिया। सभी सिख दिसम्बर के दिनों शहीदी पखवाड़ा आयोजित कर स्मरण करते हैं।

इस अवसर पर डॉ.जी.एस.भाटिया ने बतलाया कि सिख शहदत का स्मरण किया जाए तो वर्ष का कोई ऐसा दिन नहीं बचेगा। जब कोई ना कोई सिख शहीद ना हुआ हो। पूरा सिख इतिहास बलिदान का इतिहास है। हमें गुरू गोविन्द सिंह के बच्चों की शहद तथा ना केवल याद करना चाहिए वरन इससे सीख भी लेनी चाहिए।

इस अवसर पर इतिहास विभाग के विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कुनिका साहू ने गुरू गोवन्दि सिंह की माता और छोटे 02 बालकों को भीषण ठंड में ठंडे बुर्ज पर कैद को अपने शब्दो में समझाया।

प्रगति भूआर्य ने इस शहदत को अपने कविता में पिरोकर समझाया। कमलेश्वर साहू ने इस शहदत को इतिहास की ना भूलने वाली घटना कहा। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने किया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.किरणलता दामले, वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ.अनिता महिश्वर, इतिहास विभागाध्यक्ष, डॉ.शैलेन्द्र सिंह, राजनीति विभागाध्यक्ष डॉ.अमिता बख्शी, प्रो.महेश श्रीवास्तव, प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, प्रो.हेमलता साहू, डॉ.अजय शर्मा सर तथा अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वीमेन हेल्थ एंड हाइजीन विषय पर व्याख्यान व नि:शुल्क परामर्श कार्यक्रम

दिग्विजय कैम्पस

दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग, विज्ञान क्लब, रेड क्रॉस, महिला प्रकोष्ठ एवं गृह विज्ञान के संयुक्त तत्वाधान में वीमेन हेल्थ एंड हाइजीन विषय पर व्याख्यान एवं निशुल्क परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर अनीशा कुर्रे एमबीबीएस, मेडिकल कॉलेज पेंडरी, राजनांदगांव से उपस्थित थी। उनके साथ उनके सहयोगी डॉक्टर दीपशिखा निर्मलकर एवं डॉक्टर मऊ चटर्जी भी उपस्थित थी। कार्यक्रम में छात्राओं को महावारी स्वच्छता, सुरक्षित यौनसंबंध, परिवार नियोजन एवं गर्भाशय संबंधी बीमारियों पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही एचआईवी और एड्स के बारे में भी जानकारी दी गई। छात्राओं को क्यूआर कोड के माध्यम से प्रश्नावली उपलब्ध कराई गई एवं छात्राओं को प्रश्नों का सही जवाब देने पर पुरस्कृत भी किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर अंजना ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि आज की छात्राएं कल की भविष्य हैं। परिवार में प्रत्येक महिला का स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि महिलाएं परिवार की मजबूत नींव होती हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से महाविद्यालय में समय.समय पर छात्राओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाता है। और उनके समस्याओं का समाधान किया जाता है।

कार्यक्रम में डॉ. किरण लता दामले, डॉ. मीना प्रसाद, डॉ. अंजली मोहन कोड़ोपी, प्रो करुणा रावते, तथा अन्य विभागों की महिला प्राध्यापिकाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो वंदना मिश्रा ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. किरण लता दामले ने किया।

विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका विषय पर विशेष व्याख्यान

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय सहकारी संघ के द्वारा 71वे भारतीय सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिकाश्विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन 18 नवंबर 2024 को संस्था की प्राचार्य डॉ. किरण लता दामले के मार्गदर्शन एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. ऊके के निर्देशन में किया गया। उपरोक्त व्याख्यान में मुख्य अतिथि पीएस. लोन्हारे, उप आयुक्त, सहकारिता विभाग छत्तीसगढ़ शासन, मुख्य वक्ता अम्लेन्दू हाजरा वरिष्ठ अधिवक्ता राजनंदगांव, एन. कुमार साहू प्रभारी प्रबंधकएजिला सहकारी संघ मर्यादित राजनांदगांवउपस्थित रहे अतिथियों का स्वागत वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ऊके के द्वारा करते हुए सहकारिता के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया एवं विकसित भारत में सहकारिता की भूमिका से हम सभी को अवगत करायो महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. किरण लता दामले ने अपने स्वागत उद्बोधन में सहकारिता सप्ताह के जागरूकता विषय पर जानकारी प्रदान करते हुए समूह के द्वारा कार्य करने पर प्राप्त होने वाली सफलता के बारे मे विद्यार्थियों को बतायो

व्याख्यान के मुख्य वक्ता अमलेंदु हाजरा के द्वारा सहकारिता विषय पर अपने विचार व्यक्त किये तथा समूह में कार्य करने की महत्ता का वर्णन किया गया। श्री हाजरा द्वारा प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों को अनेक ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की गई एवं बच्चों द्वारा प्रश्नों के उत्तर देने पर उन्हें पुरस्कृत किया गया। इस प्रकार से हाजरा द्वारा बडे ही रोचकता पूर्णप्रश्नों के माध्यम से सहकारिता के महत्व से हम सभी को अवगत कराया।

मुख्य अतिथि पी.एस. लोन्हारे आयुक्त सहकारिता विभाग द्वारा अपने वक्तव्य मे सहकारिता संगठन के महत्व को स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को बताया कि संगठित होकर कार्य करने से रोजगार को प्राप्त कर सकते हैं और अन्य व्यक्तियों को रोजगार मुहैया करा सकते हैं साथ ही सरकार द्वारा सहकारी संस्थाओं से संबंधित सरकार की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन एन. कुमार साहू प्रभारी प्रबंधक, सहकारी संघ मर्यादित राजनांदगांव द्वारा किया गया। श्री साहू ने सहकारी संगठनों के बीच सहयोग को मजबूती प्रदान करने हेतु सहकारिता विभाग के योगदान का वर्णन किया गया एवं कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता, वाणिज्य विभाग के सभी प्राध्यापको एवं छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष व्याख्यान में मंच संचालन प्रोफेसर रागिनी के द्वारा किया गया। उपरोक्त व्याख्यान में वाणिज्य विभाग के सभी प्राध्यापक प्रोफेसर स्वयं सिद्ध झा, कुमारी तरुणा वर्मा, डॉ.प्रज्ञा मिश्रा, पूजा कुमारी, डॉ. सूरज पटेल, डॉ. देवहूति बछोर एवं वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

जिला स्तरीय शतरंज पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के तत्वाधान में सेक्टर स्तरीय पुरूष एवं महिला शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में राजनांदगांव, खैरागढ़, कवर्धा, मोहला, मानपुर, जिले के महाविद्यालयों की टीम भाग ले रही है।

प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ.अंजना ठाकुर द्वारा खिलाड़ियों को खेल भावना का परिचय देते हुए अच्छे प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दी तथा कहा कि खेल भी जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। आप सभी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। विशिष्ट अतिथि डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शतरंज के क्षेत्र में भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

आप अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय तथा अखिल भारतीय स्तर पर अपना तथा अपने महाविद्यालय का नाम रोशन करे। विशिष्ट अतिथि परेश वर्मा ने भी खिलाड़ियों को अच्छे खेल हेतु शुभकामनाएं दी। क्रीड़ा अधिकारी अरूण चौधरी द्वारा खेल के नियमों से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। पहले दिन के खेल में 03 राउंड की समाप्ति के पश्चात् प्रथम स्थान पर दिग्विजय कालेज ने 14 अंक, द्वितीय स्थान पर शास.नेहरू महाविद्यालय, डोंगरगढ़ ने 09 अंक तथा तीसरे स्थान पर शासकीय महाविद्यालय कवर्धा ने 8.5 अंक बना लिए हैं।

महिला वर्ग में 03 राउंड की समाप्ति के पश्चात् शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव तथा शासकीय पी.जी.महाविद्यालय कवर्धा का छात्राएं 8-8 अंक के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर तथा शासकीय कन्या महाविद्यालय कवर्धा 05 अंक के साथ दूसरे तथा शासकीय विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव तथा कमला देवी महिला महाविद्यालय 4-4 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

इस अवसर पर वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी पी.के.हरी, डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर, डॉ. नीतानायर, श्रीमती अनिता पोषार्य, मोरध्वज सोनवानी, खेलनराम महुले, कु. प्रीति वर्मा, कु. रामेश्वरी, रामू पाटिल सहित आफिसयल के रूप में सपन, व्ही गौतम राय एवं रमन साहू उपस्थित थे।

साक्षरता दिवस का आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वसाशी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के समाज कार्य विभाग के द्वारा साक्षरता दिवस का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम प्राचार्य श्रीमती डॉ. अंजना ठाकुर के निर्देशन में तथा समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू के मार्गदर्शन में किया गया। यह कार्यक्रम शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोटरासरार जिला राजनांदगांव में किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य के विद्यार्थियों एवं स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम परिसर में सामूहिक रूप से रैली निकाली गई। जिसमे साक्षरता दिवस संबंधित विभिन्न नारे एवं स्लोगन में बोले गए। कार्यक्रम के मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। शाला के प्राचार्य सनन कुमार साकरे ने अपने उद्बोधन में साक्षरता दिवस के उपलक्ष में काहा की इस परिवर्तन के दौर पर हमें अनेकों नई.नई टेक्नोलॉजी व कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

माइक्रोबायोलॉजी सोसायटी का गठन

दिग्विजय कैम्पस

9 अक्टूबर 24 को माइक्रोबायोलॉजी विभाग दिग्विजय पीजी. कॉलेज, राजनांदगांव में माइक्रो बायोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया (एमबीएसआई) के तहत माइक्रोबायोलॉजी सोसायटी का गठन किया गया है। इस आयोजन के लिए, हमारी प्राचार्या डॉ. अंजना ठाकुर, डॉ. सोनल मिश्रा क्षेत्रीय प्रमुख और अध्यक्ष पाठ्यक्रम समिति एमबीएसआई श्रीमती सविता चंद्रवंशी एचओडी माइक्रोबायोलॉजी विभाग कु. प्रगति नोन्हारे अतिथि व्याख्याता (एसएफ), विजय कुमार वर्मा अतिथि व्याख्याता सहित एमएससी. के विद्यार्थी उपस्थित थे। इस बैनर के तहत कॉलेज में विभिन्न गतिविधियाँ और उद्यम आयोजित होने जा रहे हैं जो छात्रों की उल्लेखनीय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

माइक्रोबायोलॉजी सोसायटी के अंतर्गत नामित सदस्य हैं. अध्यक्ष. गरिमा सिन्हा, उपाध्यक्ष. लिव्या वर्मा, सचिव. ईशा शिवने, उप सचिव. भारती मंडावी यह सोसायटी माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में काम करेगी और समाज और छात्रों के बीच सुखस्म जीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगी।

शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में दिग्विजय महाविद्यालय के प्राध्यापकों की उपलब्धियां

दिग्विजय कैम्पस

स्थानीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने विगत पांच वर्षों में अनुसंधान के क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ाया है। इन वर्षों में 10 शोध परियोजना के माध्यम से प्राध्यापकों को देश के प्रतिष्ठित शोध संस्थानों, भारत निर्वाचन आयोग तथा राज्य योजना आयोग एवं आईसीएसएसआर. जैसे दूसरे फंडिंग एजेंसियों से 70 लख रुपए से अधिक की राशि प्राप्त हो चुकी है। इनमें से कई शोध परियोजना के अंतिम रिपोर्ट फंडिंग एजेंसियों एवं विभिन्न आयोगों को भेजी जा चुकी है और कुछ शेष शोध परियोजना पर अभी शोध व अनुसंधान जारी है। एक शोध परियोजना की अंतिम रिपोर्ट एक दिन पूर्व भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली को भेजी गई है। यह गौरतलब है कि भारत निर्वाचन आयोग से महाविद्यालय को लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के परिप्रेक्ष्य में दुर्ग संभाग के 20 विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं का इंडलाइन सर्वे हेतु 6 लाख 80 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई थी। इस इंडलाइन सर्वे में दुर्ग संभाग के मतदाताओं के ज्ञान, अभिवृत्ति, दृष्टिकोण एवं व्यवहार पर शोधपरक अध्ययन करना था तथा अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करना था। इस शोध परियोजना की विशेष बात यह थी कि इसे दो माह की अल्प अवधि में पूर्ण करने की अनिवार्यता थी और भारत निर्वाचन आयोग को रिपोर्ट भेजने थी। इस अल्पावधि में 20

विधानसभा के मतदाताओं के ज्ञान, अभिवृत्ति, दृष्टिकोण एव व्यवहारों का शोध प्रविधि को ध्यान में रखते हुए उत्तरदाताओं तक संपर्क स्थापित करना, उनसे प्राप्त उत्तरों को प्रश्नावली में लिपिबद्ध करना, एसपीएसएस-सॉफ्टवेयर में डाटा फिट करना, डाटा विश्लेषण करना और विस्तृत अंतिम रिपोर्ट तैयार करना, एक बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य था, लेकिन महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने इस चुनौती को न सिर्फ स्वीकार किया बल्कि समय पर रिपोर्ट तैयार करके भारत निर्वाचन आयोग को निर्धारित समयावधि में प्रेषित करने का साहस भी किया। इस भागीरथी प्रयास में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. डीपी. कुर्रे, इस शोध परियोजना के मुख्य अन्वेषणकर्ता डॉ. त्रिलोक कुमार एवं सह.मुख्य अन्वेषणकर्ता डॉ. सोनल मिश्रा की प्रमुख भूमिका रही। रसायन शास्त्र विभाग के प्राध्यापक प्रो. युनूस बेग, डॉ. अश्वनी कुमार शर्मा एवं वाणिज्य विभाग के प्रो. संजय देवांगन की पर्यवेक्षक के रुप में भूमिका भी काफी सराहनीय रही थी। महाविद्यालय के रिसर्च प्रोन्नत समिति के संयोजक डॉ. डीपी. कुर्रे ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए यह कहा कि महाविद्यालय अब रिसर्च के क्षेत्र में भी पीछे नहीं है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने इस शोध परियोजना के पूर्ण होने पर खुशी जतायी और इससे जुड़े पर प्राध्यापक डॉ. डीपी. कुर्रे, डॉ. त्रिलोक कुमार एवं डॉ. सोनल मिश्रा को इस उपलब्धि के लिये बधाई दी।

गणित विभाग में अतिथि व्याख्यान

शास. दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. दामले के निर्देशन में एवं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान के मार्गदर्शन में गणित विभाग द्वारा श्अल्गेब्रिक टोपोलॉजी एंड एप्लीकेशन्स पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विनोद कुमार पाठक, प्राचार्य, शास. महाविद्यालय, धमतरी उपस्थित हुये।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डॉ. हेमंत कुमार साव ने डॉ. विनोद कुमार पाठक से विद्यार्थियों का परिचय करवाया तथा इसके पश्चात् ने डॉ. के. के. देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन तथा समुचित विकास हेतु समय.समय पर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

व्याख्यान की शुरुआत करते हुए डॉ. विनोद कुमार पाठक ने गणित के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को अल्गेब्रिक टोपोलॉजी एंड एप्लीकेशन्स पर अपना व्याख्यान दिया तथा अपने व्याख्यान में डॉ. विनोद कुमार पाठक ने विद्यार्थियों को रेलवे, पी. एस. सी, एस. एस. सी, बैंकिंग, पोस्ट ऑफिस एवं विभिन्न परीक्षायो की तैयारी किस प्रकार की जाये इसकी जानकारी प्रदान की। साथ ही विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत किया। मंच सञ्चालन डॉ. हेमंत कुमार साव और आभार ज्ञापन डॉ. कविता साकुरे द्वारा किया गया। इस व्याख्यान रवि साहू, एमएससी. पूर्व एवं अंतिम गणित के समस्त विद्यार्थी उपस्थित थे।

जागरूकता के आभाव में विलुप्त हो रहे विषहीन सर्प - डॉ. गजेन्द्र सर्पमित्र

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वाशासी महाविद्यालय राजनादगांव के प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के कुशल मार्गदर्शन में तथा विभागाध्यक्ष डॉ. किरण लता दामले के नेतृत्व में विश्व सरीसृप जागरूकता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. माजिद अली ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. किरण लता दामले ने सर्वप्रथम मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान करते हुए, मुख्य अतिथि का परिचय दिया तथा पर्यावरण एवं इकोसिस्टम के

लिए उनके योगदान को इंगित किया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध सरीसृप वैज्ञानिक डॉ. एचकेएस. गजेंद्र थे, वे डीएस शासकीय महाविद्यालय कसडोल से प्राचार्य पद से सेवा निवृत्ति हुए हैं। वह विगत 30 वर्षों से सर्पमित्र नामक एक एनजीओ संचालित कर रहे हैं। जिसके द्वारा उन्होंने झारखंड, उडीसा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश के गांव तथा शहरों में छोटे-छोटे समूह बनाकर उन्हें सर्प पकड़ने तथा उनकी सुरक्षा और रेस्क्यू का प्रशिक्षण दिया। देश भर में 500 से अधिक ऐसे सर्प मित्र समूह न केवल सापों तथा अन्य बेजुबान जानवरों जो सड़कों पर घायल हो जाते हैं, बीमार हो जाते हैं, की सुरक्षा तथा देखभाल करते हैं। डॉ. गजेंद्र ने अपने विस्तृत व्याख्यान में दिग्विजय महाविद्यालय के विद्यार्थियों को बताया कि सांपों का उत्पत्ति पहली बार लगभग 128 मिलियन वर्ष पहले दक्षिणी गोलार्ध के गर्म, वनीय पारिस्थितिकी तंत्र में भूमि पर हुआ था। वे संभवत: प्राचीन महाद्वीप लॉरेशिया से आये थे। ये अपनी जीभ से तथा अपने मुँह की छत में स्थित जैकबसन ऑर्गन से गंध सूंघते हैं। वे अपने आस.पास के अन्य जानवरों की गर्मी का पता लगा सकते हैं। साँप अपने निचले जबड़े से ज़मीन पर होने वाले कंपन को महसूस करके सुनते हैं। सांपों की पलकें नहीं होतीं, बल्कि उनके पास एक पारदर्शी परत होती है जो उनकी आंखों की रक्षा करती है और उन्हें खुली आंखें रखकर सोने में मदद करती है। उनके निचले जबड़े लचीले होते हैं, जिससे वे अपनी खोपड़ी से 75: से 100: बड़े आकार के जीवों को भी निगल सकते हैं। दुनिया भर में साँपों की 3,700 से अधिक प्रजातियाँ हैं।

दिग्विजय महाविद्यालय में जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में समाजशास्त्र, समाज कार्य एवं मानव विज्ञान के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण लता दामले के निर्देशन में तथा डॉ. ए के मांडवी (समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष), डॉ. अंजली मोहन कोडोपी (मानव विज्ञान विभागाध्यक्ष) एवं श्रीमती ललिता साहू (समाज कार्य विभागाध्यक्ष) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उक्त कार्यशाला भारतीय रिजर्व बैंक की डी ई ए फंड योजना के अंतर्गत जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुनीश शर्मा (एलडीएम आरबीआई) श्रीमती नजानीन अली, हितेश मिश्रा, पी एल खैरवार, सुश्री संतोषी बघेल एवं निमेष साहू आमंत्रित रहे। इस कार्यशाला के अंतर्गत विद्यार्थियों को बैंक से संबंधित डिजिटल भुगतान, बीमा, निवेश के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई तथा सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग व्यवहार के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को ऑनलाइन फ्रॉड एवं धोखाधड़ी से कैसे बचा जाए इसके संबंध में विस्तार से समझाया गया साथ ही ग्राहकों के अधिकारों के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा अपने शंका समाधान एवं समस्याओं के संबंध में चर्चा की गई। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थी, डॉ. ए के मांडवी, डॉ. अंजलि मोहन कोडोपी, श्रीमती ललिता साहू, डॉ. प्रियंका लोहिया, सुश्री तारिणी साहू, श्रीमती चित्रांशा राठौर, श्रीमती शालिनी सोनी उपस्थित रहे।

दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. टाण्डेकर हुए सेवानिवृत्त

स्टॉफ काउंसिल की ओर से अभिनन्दन पत्र, शॉल, श्रीफल व उपहार प्रदान किया गया

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर अपनी शासकीय सेवा पूर्ण करने के बाद 30 अप्रैल 2024 को सेवानिवृत्त हो गए। वे दिग्विजय महाविद्यालय में दो साल चार माह प्राचार्य के रूप में पदस्थ रहे। इस अवधि में महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किये।

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि इस महाविद्यालय में कार्य करना सुखद और चुनौतीपूर्ण रहा। आपने इस संस्था के सतत विकास की कामना की और स्टॉफ से उम्मीद की कि वे अपनी योग्यता और प्रतिभा के अनुरूप अपने दायित्व का पालन करते रहेंगे। उन्होंने वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अंजना ठाकुर को अपना प्रभार सौंपते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

डॉ. टाण्डेकर की सेवानिवृत्ति के अवसर पर महाविद्यालय स्टॉफ द्वारा भव्य आयोजन के साथ उन्हें विदाई दी गई। इस अवसर पर स्टॉफ काउंसिल की ओर से अभिनन्दन पत्र, शॉल, श्रीफल, अंगवस्त्र और बहुत-से उपहार भी प्रदान किये गए। विदाई समारोह में उनके परिजनों को भी सादर आमंत्रित किया गया था।

महाविद्यालय के बख्शी सभागार में आयोजित विदाई समारोह में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों, कार्यालयीन स्टाफ तृतीय व चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों तथा डॉ. टाण्डेकर के परिवार जनों की उपस्थिति में उनके अतीत को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया साथ ही उनके प्राध्यापकीय जीवन तथा प्राचार्य के दायित्व से संबंधित आधे घंटे की बातचीत की रिकार्डिंग भी दृश्यपटल पर प्रदर्शित की गई। उसके बाद सृजन संवाद भवन में सभी ने एकसाथ विदाई भोज का आनंद उठाया। अंत में संध्या साढ़े छह बजे उन्हें बग्गी पर बैठाकर गाज-बाजे के साथ नगर भ्रमण कराते हुए उन्हें घर तक पहुंचाया गया। इस आयोजन में नगर के समाजसेवी संस्थाओं के लोग भी शामिल थे।

दिग्विजय कॉलेज में ठा. प्यारेलाल सिंह की जयंती का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में ठाकुर प्यारे लाल सिंह की जयंती मनाई गई।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने ठाकुर प्यारेलाल सिंह की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनका प्रारंभिक जीवनी राजनांदगांव तथा रायपुर में हुई। नागपुर तथा जबलपुर में आपने उच्च शिक्षा प्राप्त की 1916 में वकालत की परीक्षा उत्तीर्ण की। 1920 में राजनांदगांव में मिल मालिकों के शोषण के विरूद्ध आवाज उठाई थी, जिसमें मजदूरों की जीत हुई थी।

आपके प्रयासों से ही स्थानीय आंदोलनों और राष्ट्रीय आंदोलन हेतु जनजागरण की शुरूआत हुई थी। ठाकुर प्यारेलाल सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ में शराब दुकानों की पिनटिंग, नमक कानून तोड़ना दलित उत्पादन जैसे अनेक कार्यों का संचालन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.के.एल.दामले ने कहा कि हमें एक महापुरूष की जीवनी एवं संघर्ष के बारे में जानना चाहिए कि किस तरह उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया और जनजागृति हेतु कार्य किये।

राजनांदगांव के निवासी होने के बाद भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाले ठाकुर प्यारेलाल सिंह के जीवन के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। स्वतंत्रता के मूल्यों को पहचान कर राष्ट्र को सशक्त बनाने में अपना योगदान देवें।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि ठाकुर प्यारेलाल सिंह भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा क्रांतिकारी थे। वे छत्तीसगढ़ में श्रमिक आंदोलन के सूत्रधार तथा सहकारिता आंदोलन के प्रणेताओं का आभार डॉ.अजय शर्मा द्वारा किया गया।

बच्चों को भविष्य में बेहतर करियर बनाने में मदद मिलेगी

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के गणित विभाग में कंप्यूटर लैब का शुभारम्भ

दिग्विजय कैम्पस

प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के निर्देशन में एवं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान के मार्गदर्शन में गणित विभाग के कंप्यूटर लैब का शुभारम्भ डॉ. राजेश पाण्डेय, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, दुर्ग संभाग द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. पुष्पा कौशिक, प्राध्यापक, शास. जे. योगनान्दम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर औत राजकुमार जैन, व्यवसायी, राजनांदगांव उपस्थित हुये।

प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह नया कंप्यूटर लैब न केवल तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह भी एक ऐसा मंच है जहां छात्रों की रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित किया जा सकता है। गणित विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान ने अपने उद्बोधन में कहा कि कंप्यूटर आधुनिक युग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आज के समय में तकनीकी ज्ञान का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह कंप्यूटर लैब हमारे विद्यार्थियों को विभिन्न कंप्यूटर तकनीकों को सीखने और अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगा। इसके पश्चात् डॉ. के. के. देवांगन अपने उद्बोधन में कहा कि कंप्यूटर लैब के माध्यम से हमारे विद्यार्थी न केवल स्वयं को विकसित करेंगे, बल्कि उन्हें भविष्य में बेहतर करियर बनाने में मदद मिलेगी।

डॉ. राजेश पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि कंप्यूटर लैब की सुविधा छात्रों के लिए अनगिनत संभावनाओं का द्वार खोलती है। यह उत्साहजनक कदम उनके भविष्य की दिशा में नई ऊँचाईयों की ओर एक नई कीमती पहल को दर्शाता है। विद्यार्थियों को इससे नौकरी के लिए अद्वितीय अनुभव, अवसर, और नेटवर्किंग की सुविधा प्राप्त होती है, जो उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण होती है।

डॉ. पुष्पा कौशिक ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह लैब कॉलेज के एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में उभरकर आएगा, जो हमें नई उच्चताओं की ओर ले जाने में मदद करेगा। राजकुमार जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह कंप्यूटर लैब आपके छात्रों के उद्दीपन और सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उक्त कार्यक्रम का मंच सञ्चालन हेमंत कुमार साव और आभार ज्ञापन डॉ. कविता साकुरे द्वारा किया गया।

राजनांदगांव रियासत का इतिहास पुस्तक का विमोचन

दिग्विजय कैम्पस

विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा अपने निवास मौली विहार में राजनांदगांव रियासत का इतिहास पुस्तक का विमोचन किया गया। इस पुस्तक के लेखक शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र सिंह है। उक्त पुस्तक में राजनांदगांव रियासत के राजाओं के कार्यकाल, उनका प्रशासन उनके समय के सामाजिक, आर्थिक स्थिति, शिक्षा, साहित्य, धार्मिक स्थिति का विस्तृत वर्णन किया गया है। साथ ही रियासत में होने वाले राष्ट्रीय आंदोलन का प्रभाव, मिल मजदूर आंदोलन एवं ठाकुर प्यारेलाल सिंह का योगदान, जंगल सत्याग्रह के साथ-साथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का जीवन परिचय का उल्लेख किया गया है। इस पुस्तक के प्रकाशन पर डॉ. रमन सिंह ने बधाई दी तथा कहा कि इससे राजनंदगांव रियासत की जानकारी प्राप्त होगी।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्रा भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक शेधार्थियों, इतिहास में रुचि रखने वालों तथा जनता के लिए काफी उपयोगी है। दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रोफेसर हिरेंद्र बहादुर ठाकुर भी उपस्थित थे। इस पुस्तक का प्रकाशन अध्ययन पब्लिशर नई दिल्ली द्वारा किया गया है।

अंतर विषयक व्याख्यान माला का आयोजन

दिग्विजय महाविद्यालय समाज कार्य विभाग के द्वारा अंतर विषयक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया उक्त व्याख्यान प्राचार्य डॉ. किरण लता दामले के निर्देशन व समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उक्त व्याख्यान में विशेष विशेषज्ञ के रूप में समाजशास्त्र विभाग के अतिथि प्राध्यापक डॉ. प्रियंका लोहिया को आमंत्रित किया गया। डॉ. प्रियंका लोहिया द्वारा अपने व्याख्यान में संस्कृति की अवधारणा, पशु और मानव के अंतर के बारे में जानकारी दी गई संस्कृति का उद्गम, फैलाव, बदलाव के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। अपने व्याख्यान के अंत में डॉ. प्रियंका लोहिया ने विद्यार्थियों का शंका समाधान को दूर करते हुए व्याख्यान का समापन किया गया इस व्याख्यान में समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू, समाजशास्त्र से डॉ. ए के. मांडवी व अतिथि प्राध्यापक सुश्री तारणी साहू, श्रीमती शालिनी सोनी, श्रीमती चित्रांशा राठौर व समाज कार्य के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ चंद्रकुमार जैन की पुस्तकें साहित्यिक विरासत हैं

हिंदी विभाग में साहित्यों को संजोने का किया जा रहा है काम

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के पूर्व सहायक प्राध्यापक एवं नगर के दिवंगत साहित्यकार डॉ. चंद्रकुमार जैन के साहित्य को शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के हिंदी विभाग में संजोने का काम किया जा रहा है। इस क्रम में स्व. चंद्रकुमार जैन के मौलिक साहित्य सहित उनके निजी पुस्तकालय की लगभग नब्बे हजार रुपए मूल्य की पुस्तकों को हिंदी विभाग में सूचीबद्ध कर संग्रहीत किया गया है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. जैन के परिजनों द्वारा उनके साहित्य को महाविद्यालय में दिया गया था। इस बारे में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने बताया प्राचार्य डॉ. किरणलता दामले ने पुस्तकों को हिंदी विभाग में सुरक्षित रखने और उसके सही उपयोग की अनुमति हिंदी विभागाध्यक्ष को दे दी है। डॉ. चंद्रकुमार जैन को याद करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने बताया कि डॉ. जैन की मौलिक रचना कृतियों सहित उनके निजी पुस्तकालय की 138 पुस्तकों की सूची तैयार कर ली गई है, जिनका मूल्य 85804 रुपए है। प्राचार्य डॉ. किरणलता दामले ने कहा कि ये पुस्तकें हमारी साहित्यिक विरासत हैं। इन्हें संजोकर रखना हमारा कर्तव्य है। इससे विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बहुत लाभ मिलता रहेगा।

पत्रकारिता की विद्यार्थियों ने सीखा वीडियो और फोटोग्राफी के गुर

विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम में दिग्विजय महाविद्यालय के विद्यार्थियों का विजिट कार्यक्रम

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. किरण लता दामले के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर में शैक्षणिक भ्रमण किया साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कौशल पर तीन दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित हुए। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा, कुल सचिव सुनील कुमार शर्मा, छत्तीसगढी फिल्म निर्माता एवं राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता मनोज वर्मा, रिसोर्स पर्सन वरिष्ठ पत्रकार रुपेश यादव, जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मोहंती, मीडिया प्रबंधन एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभागाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी, पब्लिक रिलेशन विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष मंडावी, पत्रकारिता विभागाध्यक्ष पंकज नयन पांडे, सह प्राध्यापक डॉ. निपेंद्र शर्मा उपस्थित रहें।

प्राध्यापक अमितेश सोनकर ने बताया कि यह छत्तीसगढ़ का पहला मीडिया शासकीय विश्वविद्यालय हैं। 2005 से संचालित हैं और यहां अनेक प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें विद्यार्थियों को रेडियो संवाद एवं टेलीविजन स्टूडियो की कार्यप्रणाली को बेहतर सीखा जा सकता हैं। प्रध्यापिका बॉबी राजपूत में रेडियो संवाद की जानकारी देते हुए कहा कि सामुदायिक रेडियो स्थानीय प्रसारण का एक तरीका है यह रेडियो सेवा का एक अलग मॉडल है जो वाणिज्यक और सार्वजनिक सेवा से अलग होता है साथ ही रेडियो प्रसारण से जुड़ी उपकरण की जानकारी दी गई। शोधार्थी चंद्रेश चौधरी ने विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए कहा की आज की डिजिटल युग में टेलीविजन की महत्ता काफी बढ़ गई है जिसमें कैमरा की भूमिका अहम हैं। इसी कड़ी में प्रकाश डालते हुए टेली प्रॉम्पटर, लाइट्स, माईक, क्रोमा से जुडी महत्वपूर्ण बारीकी से अवगत कराया गया। न्यूज रूम लाइब्रेरी, पीसीआर कक्ष, आईटी कक्ष, वीडियो कैमरा के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

इस दौरान विद्यार्थियों ने प्रायोगिक कार्यविधियों को सीखा और अनेक प्रकार के तकनीकी से जुड़ी प्रश्न किये जिसका संतुष्टि पूर्ण उत्तर प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अतिथि व्याख्याता रेशमी साहू, विभा सिंह का सहयोग रहा और साथ ही बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

वित्तीय साक्षरता पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव की प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के कुशल मार्गदर्शन में तथा आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. अनीता साहा एवं जिला एनएसएस प्रभारी डॉ. सुरेश पटेल के नेतृत्व में डिपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा वित्त पोषित एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से वित्तीय साक्षरता विषय पर अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों हेतु 4 जुलाई से 6 जुलाई 2024 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस में उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कैलाश कुमार खुटियारे, डिप्टी फाइनेंस ऑफिसर, जिला पंचायत, राजनांदगांव उपस्थित हुए।

उन्होंने प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा फाइनेंशियल मैनेजमेंट से जुड़े कई बिंदुओं पर जानकारी प्रदान की। प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने प्रतिभागियों को बजट बनाकर वित्त के प्रबंधन की सलाह दी। प्रथम वक्ता के रूप में डॉ. सुरेश पटेल, सहायक प्राध्यापक, भौतिक शास्त्र ने वित्तीय साक्षरता बचत, बजट एवं निवेश विषय पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। द्वितीय वक्ता के रूप में डॉ. डी पी कुर्रे, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग ने वित्तीय साक्षरता का महत्व वर्तमान में भारत में वित्तीय साक्षरता का स्तर विषय पर प्रभावशाली उद्बोधन दिया एवं विद्यार्थियों के प्रश्नों के भी उत्तर दिए। उक्त कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. सुरेश पटेल द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनीता शाह के द्वारा किया गया।

स्वामित्व एवं प्रशासक: शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय किलापारा, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)। महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा छह मासिक प्रकाशित। संरक्षक एवं प्रकाशक :- (प्राचार्य) डॉ. सुचित्रा गुप्ता, प्रधान संपादक एवं निर्देशक:- डॉ. श्रीमती बी नन्दा जागृत, समाचार संपादक:- श्री अमितेश सोनकर, श्रीमती रेशमी साहू, कु. विभा सिंह, संकलन:-बीएजेएमसी छात्र-छात्राएं। मुद्रक:-e-mail:-sonkaramitesh@gmail.com फोन नम्बर:-9424111402